NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 72 लखनऊ, शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

संवाद में शक्ति... भारत–चीन सीमा समझौते पर पहली बार बोले राजनाथ सिंह, देर–सवेर समाधान निकल ही आएगा

एजेंसी।

नई दिल्ली राजनाथ ने कहा कि पूरे इतिहास में, चाहे पूंजीवाद से पहले का समाज हो या आधुनिक समय, मानवता का प्राथमिक प्रयास अपने भौतिक कल्याण को बढ़ाना और मजबूत करना रहा है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज चाणक्य रक्षा संवाद 2024 को संबोधित किया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत और चीन एलएसी के साथ कुछ क्षेत्रों में अपने मतभेदों को सुलझाने के लिए कूटनीतिक और सैन्य दोनों स्तरों पर बातचीत कर रहे हैं। समान और पारस्परिक सुरक्षा के सिद्धांतों के आधार पर जमीनी

स्थिति को बहाल करने के लिए व्यापक सहमति हासिल की गई है। हासिल की गई सहमति में पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त और चरागाह शामिल है। यह निरंतर बातचीत में संलग्न होने की शक्ति है क्योंकि देर–सवेर समाधान निकल ही आएगा। इस सप्ताह की शुरुआत में, भारत ने सैन्य गतिरोध को समाप्त करने में एक बड़ी सफलता की घोषणा की, जिसकी बाद में चीनी पक्ष ने पुष्टि की। हाल के समय में सबसे लंबे समय तक चले सैन्य गतिरोध को समाप्त करने के लिए भारत और चीन ने इस सप्ताह जो ऐतिहासिक समझौता किया था, उसे बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से अंतिम मंजूरी मिल गई, क्योंकि दोनों ने पांच साल के अंतराल के बाद कजान में द्विपक्षीय बैठक की और इस समझौते का समर्थन किया। भारतीय पक्ष के अनुसार, इससे वास्तविक नियंत्रण रेखा (स।ब) पर स्थिति और आसान हो जाएगी।राजनाथ ने कहा कि पूरे इतिहास में, चाहे पूंजीवाद से पहले का समाज हो या आधुनिक समय, मानवता का प्राथमिक प्रयास अपने भौतिक कल्याण को बढ़ाना और मजबूत करना रहा है। यहां तक घ्कि आधुनिक अर्थशास्त्र के जनक एडम स्मिथ ने भी अर्थशास्त्र को धन के विज्ञान के रूप में परिभाषित किया है। उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में, कंप्यूटर सूचना प्रौद्योगिकी, उपग्रह संचार और अब, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्वांटम कंप्यूटिंग में प्रगति वैश्विक अर्थव्यवस्था को बदल रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इन नवाचारों ने, अन्य जटिल आर्थिक ताकतों के साथ मिलकर, एक अत्यधिक परस्पर संबद्ध और गतिशील आर्थिक परिदृश्य तैयार किया है। इन जटिलताओं के बावजूद, यह स्पष्ट है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रही

सीएम योगी ने दीपावली से पहले ही युवाओं को दिया उपहार

संवाददाता।

लखनऊ। 1,526 ग्राम पंचायत अधिकारी, 360 ग्राम विकास अधिकारी (समाज कल्याण) एवं 64 समाज कल्याण पर्यवेक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया गया। अपने घर के दीपक को नौकरीरूपी समृद्धि मिलने से प्रफुल्लित अभिभावकों ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताया। दीपावली 31 अक्टूबर को है, लेकिन इससे पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को युवाओं को उपहार दे दिया। उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1950 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इसमें 1,526 ग्राम पंचायत अधिकारी, 360 ग्राम विकास अधिकारी (समाज कल्याण) एवं 64 समाज कल्याण पर्यवेक्षकों को नियुक्ति

पत्र दिया गया। अपने घर के श्दीपकश् को नौकरीरूपी श्समृद्धिश् मिलने से प्रफुल्लित अभिभावकों ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताया। वहीं युवाओं ने भी विश्वास दिलाया कि निष्पक्षता से नौकरी मिली है तो पारदर्शिता से जनकल्याण का कार्य भी करेंगे।ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर चयनित होकर बहुत खुश हूं। रिक्त पदों पर पारदर्शी तरीके से नियुक्ति कराकर मुख्यमंत्री जी ने युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए काफी नेक कार्य किया है। हमें दीपावली पर रोजगार व बोनस एक साथ मिला है। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार।अमेठी में ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर नियुक्ति मिली है। पूरी परीक्षा बहुत ही निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराई गई। नियुक्ति के दौरान भी किसी प्रकार का भेदभाव नहीं हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सभी को अवसर प्रदान किया।

ओडिशा-बंगाल में सामान्य जनजीवन प्रभावित, तेज हवाएँ और भारी बारिश, कई इलाकों में हाई अलर्ट

एजेंसी।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के उप महानिरीक्षक मोहसेन शाहेदी ने कहा कि गंभीर चक्रवाती तूफान दाना के आने की तैयारी के लिए ओडिशा में 20 टीमें और पश्चिम बंगाल में 17 टीमें तैनात की गई हैं। चक्रवात दाना ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में सामान्य जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, क्योंकि शहर में तेज हवाएँ और भारी बारिश हो रही है। चक्रवात के कारण पूरे क्षेत्र में कई सेवाएँ निलंबित हो गई हैं और बड़ी बाधाएँ आई हैं। राज्य की राजधानी में वाहनों की आवाजाही कम देखी गई, जबकि शहर के बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बस टर्मिनल, हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशन पर कुछ लोग देखे गए। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के उप महानिरीक्षक मोहसेन शाहेदी ने कहा कि गंभीर चक्रवाती तूफान दाना के आने की तैयारी के लिए ओडिशा में 20 टीमें और पश्चिम बंगाल में 17 टीमें तैनात की गई हैं। अधिकारियों ने निवासियों से घर के अंदर रहने और जब तक बहुत जरूरी न हो, बाहर न निकलने का आग्रह किया है। आपातकालीन टीमें हाई अलर्ट पर हैं और राज्य सरकार ने किसी भी संभावित संकट से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिया है। इस बीच, एहतियात के तौर पर ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी गई हैं, जिससे शहरों के बीच संपर्क प्रभावित हुआ है। इसके अलावा, बीजू पटनायक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है, जिससे यात्रियों को असुविधा हो रही है और यात्रा बाधित हो रही है।वहीं, कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्र पर चक्रवात श्दानाश के प्रभाव को देखते हुए, नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान परिचालन आज 1800 बजे से 25 अक्टूबर को सुबह 0900 बजे तक निलंबित कर दिया गया है, क्योंकि भारी हवाएं और भारी वर्षा की आशंका है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज रात ओडिशा–पश्चिम बंगाल तट के बीच नबन्ना में चक्रवात श्दानाश के संभावित दस्तक से पहले स्थिति की निगरानी कर रही हैं।

वीरेंद्र सचदेवा को यमुना में डुबकी लगाना पड़ा भारी, रैशेज और खुजली के बाद पहुंचे अस्पताल

एजेंसी।

दिल्ली सचदेवा और उनकी पार्टी के नेताओं ने दोनों का इंतजार किया लेकिन वे नहीं आए, फिर सचदेवा प्रदूषित नदी में डुबकी लगाने चले गए। हालांकि, अब जो खबर आ रही है उसके मुताबिक सचदेवा को यमुना नदी में डुबकी लगाना भारी पड़ गया है।दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में रहे प्रदूषण के मुद्दे को उजागर करने के लिए दिल्ली में यमुना नदी में डुबकी लगाई। भाजपा ने आज लोगों को यमुना की दुर्दशा दिखाने और उन्हें 2021 में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा किए गए वादे

की याद दिलाने के लिए आईटीओ छठ घाट पर आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री आतिशी और उनके पूर्ववर्ती केजरीवाल के लिए लाल कालीन बिछाने के साथ–साथ दो कुर्सियाँ रखी गईं।सचदेवा और उनकी पार्टी के नेताओं ने दोनों का इंतजार किया लेकिन वे नहीं आए, फिर सचदेवा प्रदूषित नदी में डुबकी लगाने चले गए। हालांकि, अब जो खबर आ रही है उसके मुताबिक सचदेवा को यमुना नदी में डुबकी लगाना भारी पड़ गया है। दिल्ली भाजपा ने एक्स पर लिखा कि आज वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली सरकार के 8500 करोड़ रुपए के यमुना सफाई घोटाले को उजागर करते हुए यमुना मईया में डुबकी लगा कर दिल्ली सरकार की गलतियों के लिए क्षमा प्रार्थना की थी।पार्टी की दिल्ली इकाई ने दावा किया कि दोपहर बाद से वीरेन्द्र सचदेवा को त्वचा में लाल रैशेज, खुजली एवं सांस लेने में हल्की तकलीफ हो रही है। वह अभी आरएमएल अस्पताल गये जहां उन्हे डाक्टरों ने जांच कर तीन दिन के लिए दवा दी है। अस्पताल का स्लीप भी पार्टी ने साक्षा किया है। इससे पहले उन्होंने कहा कि पिछले 7 वर्षों में 8500 करोड रुपए केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को दिए हैं ताकि यमुना की सफाई हो सके

बस मार्शलों को दिवाली तोहफा, अब प्रदूषण नियंत्रण ड्यूटी पर होगी तैनाती, एलजी ने सीएम को दी बड़ी सलाह

एजेंसी।

दिल्ली आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री आतिशी से नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की भविष्य की तैनाती के लिए एक व्यापक दीर्घकालिक योजना विकसित करने को कहा है। आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने गुरुवार को घोषणा की कि वह राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण संकट से लड़ने में मदद के लिए चार महीने के लिए नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को नियुक्त करेगी। यह घोषणा दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा 1 नवंबर, 2024 से चार महीने के लिए शहर में वायु प्रदूषण से निपटने में मदद करने के लिए नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की तैनाती के निर्देश के बाद की गई। इन नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को अक्टूबर 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बस मार्शल के रूप में उनकी भूमिका से बर्खास्त कर दिया था। दिल्ली की वायु गुणवत्ता, विशेषकर सर्दियों के दौरान, श्बहुत खराबश और श्गंभीरश श्रेणियों में पहुंच जाने के कारण, इस पहल का उद्देश्य शहर में जारी प्रदूषण संकट से निपटना और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा करना है। इस अस्थायी तैनाती के अलावा, सक्सेना ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री आतिशी से नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की भविष्य की तैनाती के लिए एक व्यापक दीर्घकालिक योजना विकसित करने को कहा है।उपराज्यपाल ने एक्स पर लिखा कि बस मार्शल के रूप में कार्यरत हजारों सीडीवी, जिनकी सेवाएं एक वर्ष पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आदेश पर समाप्त कर दी गई थीं, की आजीविका की जटिल समस्या पर विचार करने के बाद, आज उन्हें अगले 04 महीनों के लिए दिल्ली में

वायु प्रदूषण की आपदा को कम करने के लिए स्वयंसेवकों के रूप में नियुक्त करके उन्हें तत्काल राहत देने का अवसर मिला। उन्होंने आगे लिखा कि मानवीय आधार पर मुख्यमंत्री आतिशी से अनुरोध किया कि वे अगले 04 महीनों के भीतर कानून के अनुसार इन असहाय सीडीवी की स्थायी नियुक्ति के लिए एक ठोस योजना लेकर आएं।एलजी ने कहा कि उम्मीद है कि यह काम पूरी ईमानदारी से किया जाएगा और यह महज घोषणा बनकर न रह जाए। मुझे उम्मीद है कि यह छोटा सा कदम हमारे साथी ब्क्टे की दिवाली को रोशन करने में मदद करेगा, जो पिछले एक साल से एक धागे से लटके हुए हैं। आदेश के बाद, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल ने कहा कि आप

सरकार का चल रहा प्रदूषण विरोधी अभियान तेज किया जाएगा और उल्लंघनों की जांच के लिए नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी तथा राष्ट्रीय राजधानी में डीजल बसों के प्रवेश को प्रतिबंधित किया जाएगा।

पूर्वोत्तर रेलवे मंडल रेल प्रबंधक ने बलरामपुर, बढ़नी, सिद्धार्थनगर और गोरखपुर कैंट स्टेशनों का किया निरीक्षण

लखनऊ,(आरएनएस) पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आदित्य कुमार ने गुरुवार को बलरामपुर, बढ़नी, सिद्धार्थनगर और गोरखपुर कैंट रेलवे स्टेशनों का दौरा किया। यह दौरा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों और यात्री सुविधाओं की प्रगति का निरीक्षण करने के लिए किया गया। उनके साथ उप मुख्य इंजीनियर (गतिशक्ति) सुमित वत्स समेत अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।निरीक्षण के दौरान, मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर की गुणवत्ता का अवलोकन किया और रेलखंड की सुरक्षा संबंधी पहलुओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और इन कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि यात्रियों को जल्द से जल्द उन्नत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बलरामपुर स्टेशन को घ्10.78 करोड़ की लागत से, सिद्धार्थनगर स्टेशन को घ्11.18 करोड़ की लागत से और बढ़नी स्टेशन को घ्15.05 करोड़ की लागत से उन्नत सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया जा रहा है।निरीक्षण के अंत में, मंडल रेल प्रबंधक ने गोरखपुर कैंट स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विकास कार्यों का भी अवलोकन किया और अधिकारियों को इन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

अजित पवार को लगा बड़ा झटका, दिग्गज नेता के भतीजे ने छोड़ी पार्टी, निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान

एजेंसी।

नांदगांव सीट फिलहाल एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले शिवसेना के पास है। सूत्रों के मुताबिक, अगर अजित पवार गुट से उनकी उम्मीदवारी नहीं बनती है तो वह शिवसेना के सुहास कांडे के खिलाफ नांदगांव सीट से निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ सकते हैं।महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अजित पवार गुट को बड़ा झटका लगा है। बड़े ओबीसी नेता छगन भुजबल के भतीजे समीर भुजबल ने गुट के मुंबई अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। खबर है कि भुजबल आगामी विधानसभा चुनाव में नांदगांव निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, नांदगांव सीट फिलहाल एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले शिवसेना के पास है। सूत्रों के मुताबिक, अगर अजित पवार गुट से उनकी उम्मीदवारी नहीं बनती है तो वह शिवसेना के सुहास कांडे के खिलाफ नांदगांव सीट से निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ सकते हैं।पहले उनके एनसीपी के शरद पवार गुट से चुनाव लड़ने की बात कही जा रही था। हालांकि, अब उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। वहीं, पुणे जिले के मावल विधानसभा क्षेत्र से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) द्वारा निवर्तमान विधायक सुनील शेलके को पार्टी से उम्मीदवार

घोषित किए जाने के कुछ ही समय बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और पूर्व राज्य मंत्री बाला भेगड़े ने पार्टी से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। राकांपा के राज्य उपाध्यक्ष बापूसाहेब भेगड़े ने भी बगावती तेवर दिखाते हुए कहा कि वह 20 नवंबर को होने वाला महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। बाला भेगड़े ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने और उनके समर्थकों ने अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी है। समर्थकों ने उनसे कहा कि वे बापू भेगड़े का समर्थन करेंगे और शेल्के को हराने के लिए पूरी तरह से प्रयास करेंगे। मौजूदा विधायक शेलके ने 2019 में इस सीट से भाजपा के पूर्व विधायक बाला भेगड़े को हराया था।

बापू भेगड़े ने कहा कि उन्हें अजित पवार की अगुआई वाली राकांपा से टिकट मिलने का भरोसा था, लेकिन वादा पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ''मैंने चुनाव लड़ने का फैसला किया है क्योंकि पार्टी ने मुझे टिकट देने का आश्वासन दिया था।

शिरोमणि अकाली दल नहीं लड़ेगा उपचुनाव, 1992 के बाद यह पहला मौका

पंजाब 1992 के बाद यह पहला मौका है जब अकाली दल ने राज्य में होने वाले किसी भी चुनाव में हिस्सा न लेने का फैसला किया है। लुधियाना से कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद गिद्दड़बाहा सीट खाली हो गई। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने पंजाब में 13 नवंबर (बुधवार) को चार सीटों पर होने वाले उपचुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। चंडीगढ़ में हुई पार्टी कार्यसमिति और जिला प्रमुखों की बैठक में यह फैसला लिया गया। 30 अगस्त को अकाल तख्त साहिब ने अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल को तनखैया घोषित कर दिया, जिसके चलते सुखबीर सिंह बादल न तो उपचुनाव लड़ सकते हैं और न ही इसके लिए प्रचार कर सकते हैं। दिवाली के बाद श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से उन्हें सजा सुनाई जाएगी। 1992 के बाद यह पहला मौका है जब अकाली दल ने राज्य में होने वाले किसी भी चुनाव में हिस्सा न लेने का फैसला किया है। लुधियाना से कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद गिद्दड़बाहा सीट खाली हो गई। संगरूर लोकसभा क्षेत्र से ।।च के गुरमीत सिंह हेयर के जीतने के बाद बरनाला सीट खाली हो गई। उन्होंने 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में बरनाला सीट जीती थी। गुरदासपुर से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद कांग्रेस के सुखजिंदर सिंह रंधावा ने डेरा बाबा नानक सीट खाली कर दी। वहीं, पंजाब में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल को झटका देते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सोहन सिंह ठंडल होशियारपुर में भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा उपचुनाव में ठंडल को छब्बेवाल विधानसभा सीट (सुरक्षित) से अपना उम्मीदवार बना सकती है। भाजपा के पंजाब प्रभारी और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश ने ठंडल का पार्टी में स्वागत किया।

उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा पर सवाल, लगातार हो रही हैं जघन्य घटनाएं- नीलम यादव

लखनऊ,(आरएनएस) उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की बढ़ती घटनाओं को लेकर प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव ने योगी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था को पूरी तरह विफल बताते हुए कहा कि राज्य में बहन–बेटियां कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं।नीलम यादव ने हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि एक महिला हेडकांस्टेबल के साथ हुई जघन्य बलात्कार की घटना अभी ठंडी भी नहीं पड़ी थी कि चित्रकूट में एक विकलांग महिला के साथ दरिंदगी की कोशिश की गई। जब आरोपी इसमें नाकाम रहा तो उसने पीड़िता की 6 साल की बच्ची को अपनी हवस का शिकार बनाया। वहीं, हापुड़ जिले में एक महिला का शव खून से लथपथ मिला, जिससे राज्य में महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठते हैं।यादव ने कहा, ष्यह घटनाएं इसलिए हो रही हैं क्योंकि योगी सरकार महिला सुरक्षा में पूरी तरह नाकाम रही है। उनका मिशन शक्ति अभियान और अन्य योजनाएं सिर्फ दिखावा साबित हो रही हैं। अपराधियों के दिल में कानून का कोई खौफ नहीं है। पिछले 10 सालों में इस सरकार ने किसी भी बहन–बेटी को न्याय दिलाने में सफलता नहीं पाई है।ष्नीलम यादव ने प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति को श्वस्तश बताते हुए कहा कि योगी राज में ना तो महिला पुलिसकर्मी सुरक्षित हैं, ना विकलांग महिलाएं, और ना ही मासूम बच्चियां। अपराधी खुलेआम बेलगाम हो चुके हैं, जिससे प्रदेश में श्जंगलराजश की स्थिति बन गई है।

बीजेपी की डबल इंजन सरकार में अपराधी बेलगाम - वंशराज दुबे

लखनऊ,(आरएनएस) आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे ने प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर योगी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी की डबल इंजन सरकार में अपराधियों का बोलबाला है, और कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।वंशराज दुबे ने अपने बयान में कहा कि एक माह के भीतर हुई दो दर्जन आपराधिक घटनाओं ने प्रदेश में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। उन्होंने हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अयोध्या में महिला कांस्टेबल के साथ हुए बलात्कार, गोरखपुर में दुष्कर्म आरोपियों को पकड़ने गए पुलिसकर्मियों पर हुए जानलेवा हमले, हापुड़ में महिला की निर्मम हत्या और औरैया में डिप्टी सीएमओ डॉ. विक्रम स्वरूप की पत्नी की मौत जैसी घटनाएं इस बात की गवाही देती हैं कि सरकार का अपराधियों पर कोई नियंत्रण नहीं है।दुबे ने कहा, ष्भाजपा की डबल इंजन सरकार अब खटारा हो चुकी है। गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर तक रक्षक ही सुरक्षित नहीं हैं, आम जनता की सुरक्षा की तो बात ही छोड़ दीजिए।ष उन्होंने कहा कि योगी सरकार के पिछले 8 सालों में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है, और प्रदेश श्नर्कश में बदल गया है। छोटी–छोटी बच्चियों के साथ बलात्कार की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे यह साफ है कि सरकार महिला सुरक्षा में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है।

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर किसानों के शोषण के आरोप लगाए

लखनऊ (आरएनएस),समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार किसानों का शोषण कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में किसान, युवा और गरीब वर्ग दुखी और परेशान है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार की समस्या चरम पर पहुँच गई है।अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में खाद की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी हो रही है। किसानों को आलू, गेहूं और अन्य फसलों की बुआई के लिए जरूरी डीएपी, यूरिया और अन्य खाद उपलब्ध नहीं हो रही है। उन्होंने बताया कि पिछले पखवाड़े में मैनपुरी, कन्नौज समेत कई जिलों के किसानों ने डीएपी की कमी को लेकर प्रदर्शन किया था। चित्रकूट में एक किसान ने डीएपी न मिलने से परेशान होकर अपने खेत में आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।यादव ने कहा कि किसानों को फसलों की बुआई के लिए खाद और बीज उपलब्ध कराने का दावा करने वाली सरकार किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि इस सरकार में भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं और झूठ और लूट का बोलबाला है। धान खरीद का समुचित इंतजाम न होने के कारण किसान इधर–उधर भटक रहे हैं, और जहां धान खरीद शुरू की गई है, वहां चोरी की घटनाएं भी सामने आ रही हैं।उन्होंने कहा कि हाथरस मंडी समिति में धान बेचने वाले किसानों के साथ लूट की जा रही है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने किसानों को फसलों की सही कीमत नहीं दी है और गन्ना किसानों के साथ लगातार शोषण हो रहा है। महंगाई के कारण फसलों की लागत मूल्य बढ़ती जा रही है, और गन्ना मूल्य को लेकर किसानों में भारी असंतोष है।श्री यादव ने कहा कि सरकार ने पिछला बकाया गन्ना मूल्य का पूरा भुगतान नहीं किया है और किसानों की आय दोगुना करने का भाजपा का वादा पिछले 10 साल में भी पूरा नहीं हो पाया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले विधानसभा उपचुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव में किसान और युवा इस शोषणकारी भाजपा सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेंगे।

समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मंडल 26 अक्टूबर को जौनपुर में पीड़ित परिवार से करेगा मुलाकात

लखनऊ, (आरएनएस)समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल 26 अक्टूबर को जौनपुर जिले के शाहगंज विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बड़ौना का दौरा करेगा। यह दौरा ग्राम निवासी मटरू बिन्द की पुलिस अभिरक्षा में हुई मौत के संबंध में जानकारी लेने और पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के लिए किया जा रहा है।प्रतिनिधि मंडल में संत कबीर नगर से सांसद लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद, जौनपुर के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा, उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री शैलेन्द्र यादव 'ललई', जौनपुर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, पूर्व विधायक राज नारायण बिन्द, समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष श्याम नारायण बिन्द और शाहगंज विधानसभा अध्यक्ष मिथलेश यादव शामिल होंगे।प्रतिनिधि मंडल ग्राम बड़ौना जाकर घटना की विस्तार से जानकारी लेगा और मृतक के परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना देगा। समाजवादी पार्टी इस मामले में न्याय की मांग को लेकर सरकार पर दबाव बनाएगी।

मिशन रोजगार के तहत नव चयनित अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम

e[;e=h u uop;fur vH;fFk;k dk fu;fä i= çnku fd,

लखनऊ(आरएनएस) आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन रोजगार के तहत नवचयनित 1,526 ग्राम पंचायत अधिकारियों, 360 ग्राम विकास अधिकारियों (समाज कल्याण) और 64 पर्यवेक्षकों (समाज कल्याण) को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अभ्यर्थियों को बधाई दी और कहा कि यह नियुक्ति पत्र दीपावली पर्व का उपहार है।मुख्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विगत साढ़े 07 वर्षों में प्रदेश सरकार द्वारा तैयार की गई रूपरेखा

में निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। अब तक लगभग 07 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण का भी जिक्र करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में बेटियों ने नियुक्ति पत्र प्राप्त किए हैं, जो कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की ग्राम पंचायतें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बढ़ रही हैं और इनका विकास आवश्यक है।मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास पर जोर देते हुए कहा कि गांवों में स्थानीय समस्याओं का समाधान गांव में ही होना चाहिए। उन्होंने ग्राम पंचायतों में आय के स्रोत विकसित करने और स्वच्छता के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत बताई।इस अवसर पर पंचायतीराज मंत्री ओम प्रकाश राजभर और समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव पंचायती राज, समाज कल्याण और अन्य उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि सभी अधिकारी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कार्य करेंगे, तो उत्तर प्रदेश देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनेगा।

कानपुर नगर के लिए त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत 26.38 लाख रुपये की मंजूरी

लखनऊ(आरएनएस), प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2024–25 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत कानपुर नगर के लिए सड़क निर्माण से संबंधित कार्य हेतु 26.38 लाख रुपये मंजूर किए हैं। यह धनराशि जिलाधिकारी, कानपुर के निवर्तन पर रखी गई है।जारी शासनादेश की प्रति जिलाधिकारी, कानपुर को प्रेषित कर दी गई है। शासनादेश के अनुसार, मंजूर की गई राशि से जनपद कानपुर नगर के विधानसभा क्षेत्र महाराजपुर के विकासखंड सरसौल में नसडा में छोटू सिकरवार के घर से मैदान होते हुए पारा रोड तक इंटरलॉकिंग कार्य कराया जाएगा। इस कार्य के लिए अनुमोदित लागत 52.75 लाख रुपये है,

मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता चौपाल का आयोजन

प्रयागराज (आरएनएस)। मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर आज सफाई कर्मियों की चौपाल का आयोजन किया गया। इस चौपाल में यात्रियों को स्वच्छता अभियान के प्रति जागरूक कर साथ जुडने को प्रेरित किया किया गया। चौपाल में सभी लोगों से अपील की गयी कि वह प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधे का वृक्षारोपण कर वातावरण को साफ स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें।

चौपाल में सभी सफाई कर्मियों को स्वच्छता के विषय पर जागरूक कर आवश्यक निर्देश दिये गए एवं स्वच्छता कर्मियों को बताया गया कि वह ट्रेक पर कूड़ा न फेंके और कूडे का संकलन एव उसका निस्तारण अद्यतन नियमानुसार ही करें। सफाई में प्रयुक्त रसायन एव सामग्रियों का प्रयोग निर्धारित मानकों के अनुसार ही करें। सफाई एजेंसी के प्रबंधकों को निर्देश दिया गया कि कार्य के दौरान सफाई कर्मियों के साथ उपकरण एव सुरक्षात्मक गियर का होना सुनिश्चित करें सभी सफाईकर्मी स्वच्छता कार्य के साथ–साथ अपनी स्वयं की सफाई एव स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता प्रदान करें।चौपाल में सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाकर स्वच्छता कार्य में जन भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्वच्छता चौपाल में स्टेशन अधीक्षक मनीष कुमार, उप स्टेशन अधीक्षक शिशुपाल प्रसाद एवं अन्य लोग उपस्थित थे। अंत में स्वच्छता स्लोगन बुलवाकर स्वच्छता चौपाल का समापन किया गया।

प्रसव के दौरान हेपेटाइटिस-बी बर्थ डोज सहित अन्य टीका समय पर लगाये- सीडीओ

प्रयागराज (आरएनएस)। मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम, मंत्रा पोर्टल पर प्रसव की इंट्री, ई–कवच एप, आयुष्मान योजना, परिवार कल्याण कार्यक्रम, नियमित टीकाकरण, आरसीएच पोर्टल पर पंजीकरण एवं अपडेशन के कार्यों सहित स्वास्थ्य विभाग से सम्बंधित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा करते हुए कार्यों में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश सभी संबंधित को दिए है।मुख्य विकास अधिकारी ने समीक्षा के दौरान टीकाकरण की प्रगति को बढ़ाये जाने तथा प्रसव के उपरांत बच्चों को अनिवार्य रूप से सभी टीको को लगाया जाना सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है, ताकि कोई भी बच्चा टीकाकरण से ना छूटने पाए। टीकाकरण में लापरवाही पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। आयुष्मान कार्ड की प्रगति की समीक्षा करते हुए अभियान चलाकर आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति को बढ़ाने के लिए कहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मेडिसिन व किट की उपलब्धता बनाये रखें। उन्होंने कहा कि सभी प्राथमिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं में जो कमियां है, उनका भी संबंधित के साथ बैठक कर निराकरण कराया जाए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आशु पाण्डेय, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित सभी संबंधित अधिकारी व प्रभारी चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे।

कुम्भ मेला 2025 गाइड की प्रशिक्षण शुरू

प्रयागराज (आरएनएस)। पर्यटन विभाग द्वारा लोगों को प्रयागराज का भ्रमण करने में सहायता प्रदान करने के लिए गाइड का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। एक होटल में पांच दिन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत महाकुम्भ मेले की शुरुआत से पहले गाइड तैयार किये जा रहे है।

महाकुम्भ मेला जनवरी 2025 में शुरू होने जा रहे है। जिसमे करोड़ों श्रद्धालुओं के साथ ही देश–विदेश से भी पर्यटक आएंगे. पर्यटकों को प्रयागराज के धार्मिक पौराणिक महत्व के साथ ही दार्शनिक स्थलों के बारे में विस्तृत जानकारी देने के लिए गाइड तैयार किए जा रहे हैं। प्रशिक्षित गाइड बनाने के लिए पर्यटन विभाग की तरफ से नाविकों के साथ ही अन्य स्थानीय लोगों को भी गाइड की ट्रेनिंग दी जा रही है। पर्यटन विभाग की तरफ से महाकुम्भ मेले की शुरुआत से पहले गाइड तैयार किये जा रहे हैं। जिसके लिए चरणवार तरीके से प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पर्यटन विभाग द्वारा संचालित एक होटल में पांच दिन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। पर्यटन विभाग लगभग चार हजार लोगों को ट्रेनिंग देने की योजना बना चुका है। विभाग की तरफ से ड्रेस, गाइड किट और प्रमाण पत्र मिलेगा। लखनऊ से चलकर आये पर्यटन विभाग के प्रोफेसर मास्तो ने बताया कि कहानी क्या है इसके थीम तथा कथानक के विषय मे बताये और उन्होनो ने कहा कि आपके आवाज व हाथो का नियंत्रण किस प्रकार रखे जाएंगे।संतोष कुमार ने बताया कि सभी गाइड को पांच दिन प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से ही करना है तभी उनको फायदा होगा। प्रशिक्षित गाइड बनाने के लिए टूर गाइड–टूर एस्कॉर्ट का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में शामिल होकर प्रशिक्षण लेने वालों को पर्यटन विभाग की तरफ से गाइड किट दिया जाएगा। उसके बाद महाकुंभ मेला शुरू होने से पहले सभी को ड्रेस दिया जाएगा। साथ ही प्रमाणपत्र और पहचान पत्र भी दिया जाएगा। इसके साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र गाइड का प्रशिक्षण लेने आते हैं तो उन्हें भत्ता भी दिया जा सकता है।कार्यक्रम में गौरव श्रीवास्तव अभयराज यादव इत्यादि उपस्थित रहे।

परिवहन मंत्री के निर्देश पर त्यौहारों के लिए परिवहन व्यवस्था की समीक्षा

लखनऊ (आरएनएस)परिवहन मंत्री जयशंकर सिंह के निर्देशों के तहत आज अपर मुख्य सचिव एल. वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आरएम, एआरएम, आरटीओ एवं एआरटीओ के साथ मीटिंग आयोजित की गई। इस मीटिंग का उद्देश्य आगामी दीपावली और छठ पर्व के दृष्टिगत परिवहन व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा करना था।अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि त्योहारों की अवधि में यात्रा करने वाले लोगों को बस स्टेशनों पर किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बसों की साफ–सफाई और धुलाई को प्राथमिकता देने का आदेश दिया ताकि प्रदेश के लोगों को आरामदायक, सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित की जा सके।इसके साथ ही, उन्होंने चालक और परिचालक को वर्दी में रखने, ब्रेथ एनलाइजर से चालकों की चेकिंग करने, और शराब पीकर गाड़ी चलाने की शिकायतों पर सख्त कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।बैठक में प्रबंध निदेशक परिवहन निगम मासूम अली सरवर ने बताया कि त्योहार के दौरान भीड़ को देखते हुए बसों के शेड्यूल में लचीलापन रखा जाएगा। जहां भी यात्री उपलब्ध होंगे, उन क्षेत्रों में बसों का संचालन किया जाएगा। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने की बात की कि बसें निर्धारित मानक पर चेक करके ही मार्ग पर भेजी जाएं और फिट बसों का संचालन किया जाए।विशेष सचिव परिवहन के.पी. सिंह ने निर्देश दिया कि पर्व अवधि में कोई भी अधिकारी बिना अनुमति के अवकाश नहीं लेगा और न ही अपना स्टेशन छोड़ेगा। उन्होंने क्षेत्रीय स्तर पर कार्य योजना बनाने और पर्व अवधि में प्रदूषण को नियंत्रित रखने का भी ध्यान रखने की बात कही।बैठक में अपर परिवहन आयुक्त, अपर प्रबंध निदेशक राम सिंह वर्मा सहित परिवहन विभाग और परिवहन निगम के मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उमंग सिल्क एक्स्पो में लखनऊ में प्रस्तुत होंगे 25,000 से अधिक नए डिजाइन

लखनऊ, (आरएनएस) उमंग सिल्क एक्स्पो द्वारा आयोजित प्रदर्शनी 'सफेद बारादरी, कैसरबाग, लखनऊ' में 23 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2024 तक दिन में 11रू00 से रात 9रू00 बजे तक 25,000 से अधिक नए साड़ी और सूट डिजाइन प्रदर्शित किए जाएंगे। इस प्रदर्शनी में कश्मीर से कन्याकुमारी तक के बेहतरीन कलेक्शन शामिल हैं।प्रदर्शनी का शुभारंभ लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी में आए सभी आर्टिजन एवं बुनकरों के साथ बातचीत की और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से लघु और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे लोगों की आय में वृद्धि होगी और समाज की उन्नति में योगदान होगा।पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार अनीस मंसूरी ने प्रदर्शनी के उद्घाटन के मौके पर पसमांदा समाज के लोगों को इस तरह के एक्स्पो में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आयोजक आशीष गुप्ता को कारीगरों को एक मंच प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।मीडिया से बातचीत करते हुए श्री अनीस मंसूरी ने बताया कि इस सिल्क एक्स्पो में देशभर के सिल्क बुनकरों और डिजाइनरों ने अपनी राज्य की संस्कृति, काव्य और त्योहारों को सिल्क पर प्रदर्शित किया है। लखनऊ में आयोजित उमंग सिल्क एक्स्पो का मुख्य उद्देश्य देशभर के सिल्क उत्पादों को एक ही छत के नीचे लाना है।उमंग सिल्क एक्स्पो में कांजीवरम, उपाडा, गढ़वाल पटोला, बैंगलोर सिल्क, कांथा वर्क, डकारी जामदानी, पैठानी, बनारसी, भागलपुरी की साड़ियां, कश्मीरी पश्मीना साड़ी, सूट, सॉल, जैकेट, और स्टोल सहित

अनेक उत्पाद उपलब्ध हैं।प्रदर्शनी में गुजरात की पटोला सिल्क, तेलंगाना की उपाडा सिल्क, तमिलनाडु की कांजीवरम सिल्क, महाराष्ट्र की पैठानी सिल्क जैसी विशेषताएं लोगों को आकर्षित कर रही हैं। प्रदर्शनी में पश्चिम बंगाल के काला हस्ती से आए बुनकर ने भगवान श्री कृष्ण के नोका विहार का दृश्य सिल्क पर पेंट किया है। कश्मीरी केसर के डिजाइन सहित साड़ियों पर आकर्षक डिजाइन भी प्रस्तुत किए गए हैं।छत्तीसगढ़ से कोसा, घिचा, मलबरी रॉ सिल्क, गुजरात से बंधनी, पाटोला, कच्छ एम्ब्रॉयडरी, मिडिल प्रदेश से चंदेरी, महेश्वरी काटन एवं सिल्क साड़ी, सलवार सूट और अन्य कलाकृतियों की भी प्रदर्शनी में विशेष उपलब्धता है। इस प्रदर्शनी में हैदराबाद की भारी नेकलेस, नोज पिन, रिंग, बैंगल्स, मांग टीका, कमरबंद, और मुंबई की वेस्टर्न पैटर्न ज्वैलरी भी शामिल है।

नवीं शताब्दी के नाथ योगी गोरखनाथ पंजाबी के आदि कवि थे

उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी की ओर से पंजाबी भाषा की उत्पत्ति पर हुई संगोष्ठी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी के ओर से ''पंजाबी भाषा की उत्पत्ति'' विषयक संगोष्ठी का आयोजन गुरुवार 24 अक्टूबर, को इंदिरा भवन के कक्ष संख्या 442–444, में किया गया। इस संगोष्ठी में बताया गया कि नवीं शताब्दी के नाथ योगी गोरखनाथ पंजाबी के आदि कवि थे। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक अरविन्द नारायण मिश्र ने संगोष्ठी में उपस्थित सम्माननीय वक्ताओं को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया।

संगोष्ठी में डॉ. गंगा प्रसाद शर्मा ने कहा कि पंजाबी भाषा का गौरव पूर्ण इतिहास है। यह भारोपीय भाषा परिवार की आधुनिक भारतीय भाषा है। इसका विकास सौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है। कुछ विद्वानों के द्वारा इसे गांधारी या प्राकृत से भी विकसित माना जाता है, जो नाम भेद के कारण अलग दिखती हुई भी मूल स्वभाव में एक ही हैं। यह भारत और पाकिस्तान जो देशों में बोली जाती है। दोनों देशों में दो भिन्न लिपियों का उपयोग होता है पहली लिपि है गुरुमुखी और दूसरी शाहमुखी। शाहमुखी लिपि अरबी फारसी से विकसित हुई है। शाहमुखी लिपि, अरबी लिपि की फारसी वर्णमाला का संशोधित रूप है, जो फारसी लिपि की वर्णमाला का ही विकसितत रूप है। इसमें पंजाबी की ध्वनियों को व्यक्त करने के लिए अतिरिक्त प्रतीकाक्षर हैं और यह भी दाएँ से बाएँ ही लिखी जाती है। शाहमुखी लिपि का इस्तेमाल पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुस्लिम समुदाय के लोग पंजाबी भाषा में अपनी भावाभिव्यक्ति के लिए करते हैं। पाकिस्तान में स्थित सिख समुदाय दोनों लिपियों का इस्तेमाल करता है लेकिन अपने धार्मिक विचार व्यक्त करने के लिए गुरुमुखी को ही प्राथमिकता देता है। भारत में इस लिपि का उपयोग जम्मू और कश्मीर राज्य की पोथारी ध पोथावरी ध पोतोहारी बोली लिखने के लिए होता है।

वरिष्ठ विद्वान नरेन्द्र सिंह मोंगा के अनुसार नवीं शताब्दी में पैदा हुए नाथ योगी गोरखनाथ पंजाबी के आदि कवि थे। योगी गोरखनाथ के पंजाबी बोली में रचित काव्य से ही पंजाबी साहित्य का सूत्रपात हुआ। गोरखनाथ ने लिखा है – खाएआ वी मरेआ, अणखाएआ वी मरेआ, गोरख राएआ, संजमी तरेआ। खदे झरे सलूणे, खरे मीठे उपजे रोग, कहे गोरख सुणहु सिद्धो अन्न पाणी जोग। हसिआ खेलिआ रहिआ संग, काम क्रोध न करिआ संग। हसिआ खेलिआ गाएआ गीत, दृढ़ कर राखि आपना चीति।

इसके साथ ही आमंत्रित विद्वान दविन्दर पाल सिंह 'बग्गा' ने डॉ. मोहन सिंह का उदहारण पेश करते हुए कहा कि उनके अनुसार पंजाबी साहित्य कोई नवीन साहित्य नहीं है। पंजाबी भाषा आठवीं नौवीं सदी में एकदम उत्पन्न नहीं हुई बल्कि इस भाषा ने धीरे–धीरे विकास किया और कई पड़ाव से निकलती हुई कि दशा तक पहुंची पंजाबी भाषा में और भाषाओं के साहित्यिक प्रभावों को भी स्वीकार किया एक तरफ वैदिक संस्कृति प्रकृति और अपभ्रंश भाषा का विचार साहित्य था। पौराणिक और कथाएं प्रमाण से भरपूर खजाने उन साहित्य में प्राप्त होते हैं साहित्य वेदों से शुरू होकर शास्त्रों पुराणों और उपनिषदों महाकाव्य नाटकों तक फैला हुआ है टेक्स्ला विश्वविद्यालय काफी समय तक हर प्रकार की विद्या के लिए एक विशेष केंद्र रह चुका था इन सब के होते हुए यह किस प्रकार से हो सकता है की पंजाबी भाषा पर जो हमारी प्राचीन साहित्यिक भाषाएं हैं उनसे अलग रह सकती। इसलिए कहा जा सकता है की पंजाबी भाषा कोई नवीन भाषा नहीं है अपितु ना जोगियों का साहित्य सूफी मत बाबा फरीद जी मुगल काल आदि में भी पंजाबी भाषा का बोलबाला रहा इसका प्रचार प्रसार मुख्य रूप से आदि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के संपादन के पश्चात जन सामान्य तक पहुंचा। सस्सी पुन्नू हीर रांझा के संदर्भ में जो गीत लिखे गए वह भी पंजाबी भाषा का ही एक प्रारूप है।

मेजर मनमीत कौर सोढ़ी के अनुसार पंजाबी एक इंडो–आर्यन भाषा है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में पंजाबी भी शामिल है। हाल के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 100 मिलियन से अधिक बोलने वालों के साथ पंजाबी दुनिया में 10वीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। भारत में, 30 मिलियन से अधिक बोलने वालों के साथ यह 5वीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है। वैदिक से विकसित शास्त्रीय संस्कृत पंजाबी शब्दावली का मुख्य स्रोत है और सौरसेनी प्राकृत शास्त्रीय संस्कृत के सबसे निकट है। सौरसेनी अपभ्रंश ने पंजाबी को जन्म दिया और यह संतों की भाषा की जननी भी थी, जिसे संत–भाषा के रूप में जाना जाता है।

संगोष्ठी में प्रो० हेमांशू सेन ने कहा कि भारतीय ज्ञान, दर्शन और चिंतन की परंपरा को सक्षम और सफल रूप से वहन करने वाली पंजाबी – भारोपीय भाषा परिवार की प्रमुख भाषा है। पंजाबी गुरुमुखी और शाह मुखी लिपियों में लिखी जाती है। भारत और पाकिस्तान के पंजाब क्षेत्र की मूल भाषा है। आधुनिक भारतीय आर्य भाषा परिवार की प्रमुखतम भाषाओं में से एक पंजाबी की उत्पत्ति मूल रूप से संस्कृत के परवर्ती रूप – पाली प्राकृत और अपभ्रंश, शौरसैनी अपभ्रंश से हुई है। इसके आरम्भिक कवि बाबा फरीद, नानक साहब, गुरु अर्जन देव आदि हैं।

इस क्रम में मंजीत कौर ने कहा कि भाषा एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा हम अपने विचारों और भावनाओं को दूसरों के साथ व्यक्त कर सकते हैं। किसी भी भाषा के साहित्य को उसे भाषा को बोलने वाले लोगों के संपूर्ण जीवन प्रवाह से अलग नहीं किया जा सकता। लोगों के जीवन प्रवाह को सही दिशा निर्देशन देना उनकी राजनीतिक सामाजिक सांप्रदायिक और धार्मिक दशा का बहुत बड़ा योगदान होता है। आज से 70 वर्ष पूर्व यही विचार प्रचलित थे कि पंजाबी साहित्य श्री गुरु नानक देव जी की वाणी से ही प्रारंभ होता है। यह विचार शायद धार्मिक संस्कारों या इस क्षेत्र में खोज की कमी के कारण हुए। बाबा फरीद शकरगंज 1173–1266 ई जिनकी वाणी श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी साहिब जी में दर्ज है। कार्यक्रम में लखविन्दर पाल सिंह, मनप्रीत सिंह, मीना सिंह, अंजू सिंह, महेन्द्र प्रताप वर्मा सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित रहे।

विजय अरोड़ा के निधन पर व्यापारियों व संस्थाओं ने जताया शोक

प्रयागराज (आरएनएस)प्रयाग व्यापार मंडल के संस्थापक सदस्य एवम् अध्यक्ष और व्यापारियो के पुरोधा विजय अरोरा के निधन पर राजनीतिक सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों ने शोक व्यक्त किया है।लगभग 45 वर्षों से व्यापारियो के हितों के लिये संघर्ष करने वाले प्रयाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष जो की पूर्व पार्षद एवम् उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय अरोरा का लम्बी बीमारी के बाद मध्य रात्रि मेदांता हॉस्पिटल, लखनऊ में निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर सुबह 8रू30 बजे उनके निवास स्थान लाया गया जहां पर नगर के व्यापारी, सामाजिक, धार्मिक एवम् राजनीतिक संगठन के लोगो का उनके अंतिम दर्शन के लिए हुजूम उमड़ पड़ा। अपराह्न 3 बजे उनकी अंतिम यात्रा उनके निवास से उठकर मीरापुर गुरुद्वारा, हरि मंदिर , रोशन बाघ, नखघस कोहना, चौक, मोहम्मद अली पार्क, घंटाघर होते हुए रसूलाबाद घाट प्रस्थान किया। जगह जगह व्यापारियों ने उन्हें नम् आँखों से अंतिम विदाई दी। उनकी अंतिम यात्रा में हजारों का हुजूम उमड़ पड़ा। रसूलाबाद घाट पे मुखाग्नि उनके जेष्ट पुत्र पार्षद साहिल अरोरा ने दी।प्रयाग व्यापार मंडल के कार्यवाहक अध्यक्ष राणा चावला, महामंत्री सुहेल अहमद, अखिलेश सिंह, गुरुचरण अरोरा चन्नी, प्रीतम सिंह, सरदार जितेंद्र सिंह, उमेश केसरवानी, अशोक अरोरा, महमूद खघन, गुफरान अहमद, शाहिद कमाल, विद्या सागर केसरी, अम्बरीश खुराना, मो आमिर, इन्द्र मध्यान, दलजीत सिंह, श्याम केसवानी, कादिर भाई, नसीम खाँ, अब्दुल अजीम चाँद, शफीकउर रहमान, नूर उद्दीन, सुशील खरबंदा, शिवशंकर सिंह, आशीष अरोड़ा, पूर्व विधायक परवेज टंकी, सतवीर मुन्ना, केशव मोहन, घनश्याम केवलानी, धर्मेंद्र द्विवेदी, शिवम् जयसवाल, अनिल दुबे आदि मौजूद रहे।

डिक्लेमेशन प्रतियोगिता में सी.एम.एस. छात्रा को प्रथम पुरस्कार

लखनऊ, 24 अक्टूबर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस की कक्षा–9 की प्रतिभाशाली छात्रा गौरी यादव ने

एसोसिएशन ऑफ स्कूल्स फॉर द इण्डियन स्कूल सार्टिफिकेट (एएसआईएससी) के तत्वावधान में आयोजित जोनल डिक्लेमेशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अर्जित कर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। इस प्रतियोगिता में लखनऊ के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया जिसमें सी.एम.एस. की इस मेधावी छात्रा ने अंग्रेजी भाषा में अपनी तर्कपूर्ण, प्रभावशाली तथा धाराप्रवाह अभिव्यक्ति से निर्णायक मण्डल सहित सभी को प्रभावित किया। सी.एम.एस. की प्रतिभाशाली छात्रा की रचनात्मक एवं वैश्विक सोच एवं धाराप्रवाह अभिव्यक्ति यह दिखाती है कि वह आगे चलकर देश का गौरव बढ़ाने को तत्पर है। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की है।सी.एम.एस. अपने छात्रों का दृष्टिकोण वैज्ञानिक एवं विश्वव्यापी बनाने के उद्देश्य से जोरदार प्रयास कर रहा है जिसकी बदौलत सी.एम.एस. छात्र विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में नये नये कीर्तिमान गढ़ रहे हैं। सी.एम.एस. अपने छात्रों को विभिन्न विषयों का उत्कृष्ट ज्ञान प्रदान करने के साथ ही उनमें वैश्विक सोच व आत्मविश्वास का विकास भी करता है और यही कारण है कि उत्कृष्ट ज्ञान व बुद्धिमत्ता से लबालब सी.एम.एस. छात्र शैक्षिक क्षेत्र में विद्यालय का परचम पूरे विश्व में लहरा रहे हैं।

हैदराबाद में आयोजित 'शिक्षक कौशल निर्माण कार्यशाला' में प्रतिभाग किया सी.एम.एस. शिक्षकों ने

लखनऊ, 24 अक्टूबर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.–2000) की सिफारिशों के अनुरूप सीआईएससीई ने अपने संबद्ध स्कूलों में वैश्विक मानकों के अनुरूप कॉम्पिटेन्सी बेस्ड शिक्षा को लागू करने के लिए नई पहल की हैं। इसी कड़ी में काउन्सिल फॉर द इण्डियन स्कूल सार्टिफिकेट एक्जामिनेशन्स (सी.आई.एस.सी.ई.) एवं आर्गनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक को–आपरेशन एण्ड डेवलपमेन्ट (ओ.ई.सी.डी.) के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षकों के कौशल विकास

हेतु पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 21 से 25 अक्टूबर 2024 तक हैदराबाद में सीआईएससीई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में किया जा रहा है। यह कार्यशाला 'एजूकेशनल मेजरमेन्ट एण्ड आइटम डेवलपमेन्ट' थीम पर आयोजित की जा रही है, जिसमें सी.एम.एस. के 12 वरिष्ठ शिक्षकों के साथ ही देश भर के प्रतिष्ठित विद्यालयों के 150 से अधिक माध्यमिक कक्षाओं के शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं। सम्मेलन का उद्घाटन सीआईएससीई के चीफ एक्जीक्यूटिव एवं सेक्रेटरी डा. जोसेफ इमैनुएल ने किया तथापि श्री नाथनियल रेनरस्टेन, एनालिस्ट, ओ.ई.सी.डी. डायरेक्टोस्टेट समेत कई प्रख्यात शिक्षाविदों ने अपने सारगर्भित संबोधन से 21वीं सदी की शिक्षा के अनुरूप शिक्षकों के कौशल विकास पर जोर दिया। कार्यशाला का संचालन ओईसीडी के शिक्षा और कौशल निदेशालय के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा किया जा रहा है।सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने बताया कि हैदराबाद में चल रहे प्रशिक्षण के उपरान्त सी.एम.एस. शिक्षक अपने छात्रों को पी.आई.एस.ए. टेस्ट (पीसा परीक्षण) के लिए और बेहतर ढंग से तैयार कर पायेंगे, जो कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों के ज्ञान व कौशल का परीक्षण करता है।विदित हो कि शिक्षकों की कौशल–निर्माण कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को साक्ष्य–आधारित शैक्षिक मापन की अवधारणाओं और विधियों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है।

मदन लाल मेहरा बने भोपाल जिला अध्यक्ष

संस्कार सेना के संस्थापक ने किया सम्मान दिया नियुक्ति पत्र 20 अक्टूबर संस्कार सेना कार्यालय पहुंचे समाज सेवी मदन

लाल मेहरा माता–पिता के प्रति सम्मान की अलग जगाने वाली संस्कार सेना के साथ मिलकर सेवा की इच्छा जताई तो राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहरा की अनुशंसा पर भोपाल जिला कार्य अध्यक्ष के पद पर नियुक्त कर स्वयं संस्थापक हरभजन जांगड़े ने नियुक्ति पत्र प्रदान किया इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव अलका धुर्वे सहित संस्कार सेना परिवार ने उनका स्वागत करते हुए बधाई दी।

कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग को संस्कार सेना की टीम ने दिया आमंत्रण

24 अक्टूबर संस्कार सेना की टीम ने सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग से मुलाकात कर 14 नवंबर रवीन्द्र भवन भोपाल में आयोजित कार्यक्रम का आमंत्रण दिया तो श्री सारंग ने आवश्यक रूप से उपस्थित होने का आश्वासन दिया इस मौके पर संस्कार सेना के संस्थापक हरभजन जांगड़े राष्ट्रीय सचिव अलका धुर्वे प्रदेश उपाध्यक्ष विमलेश ठाकुर भोपाल जिला अध्यक्ष मदन लाल मेहरा सहित संस्कार सेना के पदाधिकारी उपस्थित रहे

14 नवंबर की तैयारी में लगी संस्कार सेना की टीम जूम मीटिंग में अनेक प्रदेशों से जुड़े पदाधिकारी

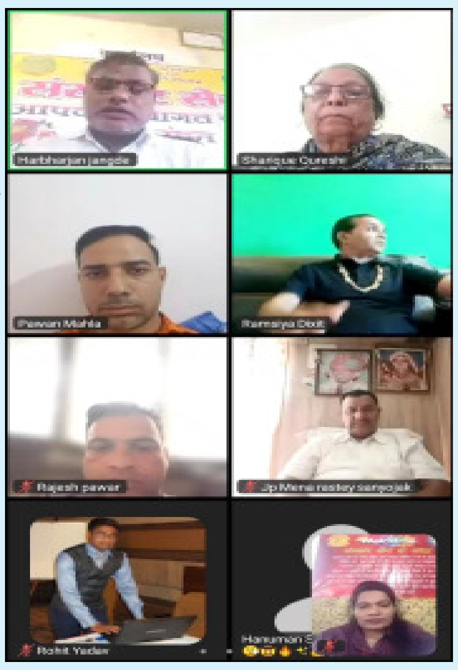

संस्कार सेना द्वारा माता–पिता के सम्मान हेतु युवा पीढ़ी को जागरुक करते हुए शिक्षण संस्थानों की ओर रुख कियानये अंदाज में 1 नवंबर मध्य प्रदेश स्थापना दिवस से योजना बद्ध तरीके से मिडिल एवं हाई स्कूल के छात्रों की माता–पिता पर आधारित ऑनलाइन ऑफलाइन सामान्य ज्ञान परीक्षा लेने की तैयारी शुरू की जिसमें माता–पिता पर आधारित पांच प्रश्न रहेंगे परीक्षा में सम्मिलित छात्रों का 14 नवंबर बाल दिवस पर रविंद्र भवन भोपाल में आयोजित भव्य आयोजन में मध्य प्रदेश सरकार में संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के मुख्य आतिथ्य में सम्मान किया जाएगा इस बात की जानकारी देते हुए संस्थापक हरभजन जांगड़ा ने सभी पदाधिकारी से आवाहन किया है कि भारत के किसी भी राज्य में अपने कार्यक्षेत्र अधीनस्थ शिक्षण संस्थानों में यह परीक्षा फॉर्म भेजें और छात्रों को परीक्षा में सम्मिलित करें जो छात्र भोपाल 14 नवंबर को कार्यक्रम में नहीं पहुंच सकते उनके लोकल स्तर पर कार्यक्रम कर सम्मान करें सभी पदाधिकारी ने योजना पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए तन मन धन से सहयोग का आश्वासन दिया मीटिंग में संरक्षक राम सी दीक्षित गुरुजी राष्ट्रीय संयोजक जगदीश मीणा पावटा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष हनुमान सहाय सिरसी प्रदेश सचिव पवन मेहला राष्ट्रीय सचिव अलका धुर्वे एवं सारिका कुरैशी बैतूल जिला अध्यक्ष राजेश पवार युवा प्रकोष्ठ राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे

गैंगलैंड ग्रुप के नाम से दहशत फैलाने वाले को मुठभेड़ में किया गिरफ्तार

(मथुराधरिफाइनरी)(ए.के. शर्मा)गैंगलैंड ग्रुप के नाम से सोशल मीडिया पर तमंचा लहराना और सार्वजनिक स्थान पर फायरिंग कर सरे आम दहशत फैलाने वाले एक युवक को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार थानाध्यक्ष रिफाइनरी सोनू कुमार के नेतृत्व में थाना पुलिस और स्वाट– रिवार्डेड टीम ने प्रातः करीब साढे तीन बजे चौकिंग के दौरान बाद स्टेशन रोड से विष्णु पुत्र बच्चू सिंह निवासी पूजा एन्कलेव जन्मभूमि लिंक रोड को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार इसे रोकने का प्रयास किया तो यह भागने लगा और इसने पुलिस पर फायर दिया। इस दौरान पुलिस मुठभेड़ में इसके पैर में गोली लगने से यह घायल हो गया। उपचार के लिये इसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके पास से पुलिस ने एक तमंचा, कारतूस, एक मोटरसाईकिल बरामद की है। गिरफ्तार करने वाली टीम में स्वाट टीम प्रभारी अभय कुमार शर्मा, रिवार्डेड टीम से उपनिरीक्षक अजय वर्मा, अखिलेश कुमार आदि शामिल रहे। पुलिस के अनुसार पकड़े गये विष्णु और उसके साथियों ने मिलकर इंस्टाग्राम पर गैंगलैंड ग्रुप मथुरा नाम का पेज बना रखा है जिसके माध्यम से फायरिंग, मारपीट और अवैध असलाहों के साथ वीडियो अपलोड कर ये लोग जनता में भय व आतंक फैलाते हैं।

कोचिंग से लौटते छात्र पर किया था फायर

गत 21 अक्टूबर को पकड़े गये बदमाश और इसके साथियों ने मिलकर भय बनाने के लिये एक लड़के पर तमंचे से फायर किया था। थाना हाईवे की हरीधाम कालोनी में रहने वाले पुलिस मॉर्डन स्कूल का 12वीं का छात्र बालाजीपुरम से कोचिंग कर घर वापिस आ रहा था तभी दोस्त का फोन आने पर वह उससे मिलने राजपुर कालोनी के पास चला गया। रास्ते में दोनों बातें कर रहे थे तभी स्विफ्ट कार सवारों ने बाइक साइड करने को कहा। इसी दौरान इन लोगों ने कहासुनी के बाद छात्र पर फायर कर दिया। गोली छात्र के कान को छूते हुये निकली जिससे उसके खून भी निकला।

दो साल पहले तीर्थयात्रियों से की थी मारपीट

दो साल पूर्व मुजफ्फरनगर के थाना मनसुरपूर निवासी सोनू त्यागी अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ तीर्थयात्रा पर मथुरा आये थे।

08 सितंबर 2022 को जन्मभूमि लिंक रोड पर एक गैस्ट हाउस से सभी लोग वापिस लौट रहे थे तभी दो लड़कों ने इनसे गाली गलौज की और लाठी– डण्डों से मारपीट की जिसमें महिलाओं को भी नहीं बख्शा जिससे दोनों को चोटें आयीं। इस दौरान पीड़ित ने जतिन और विष्णु के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

कोरम पूरा न होने के अभाव में कोई भी प्रस्ताव पारित नहीं हुआ

बल्दीराय सुलतानपुर (आरएनएस)। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के धनपतगंज ब्लाक में बृहस्पतिवार को हुई क्षेत्र पंचायत की बैठक हंगामे की भेंट चढ गयी। सदन की कार्यवाही शुरु होते ही सदस्यों ने जमकर हंगामा काटा और सदन से बहिष्कार कर गये। कोरम के अभाव मे कोई प्रस्ताव पास नही हो सका। महिला ब्लॉक प्रमुख ने विरोध कर रहे सदस्यों पर क्षेत्र के विकास को वाधित करने का आरोप लगाया और राजनीतिक षडयंत्र बताया। बाहुबली यश भद्र सिंह मोनू के पहुंचने के बाद सदन में अफरातफरी मच गई। गुरुवार को ब्लाक प्रमुख पार्वती सरोज की अध्यक्षता मे शुरू हुई क्षेत्र पंचायत की बैठक मे सदन की कार्यवाही शुरु होते ही विरोधी सदस्यों के स्वर मुखर हो गये। हंगामे के बीच सदन की आचार संहिता के तहत अनाधिकृत ग्राम प्रधानों के प्रतिनिधियों और अन्य लोगों की सदन मे मौजूदगी का मायंग के बीडीसी सदस्य ऋषीभद्र सिंह ने विरोध जताया और खंड विकास अधिकारी से बहस शुरू हो गयी। उसी दौरान सदन मे काफी संख्या मे बाहरी लोगों के घुस जाने और हो हल्ला से अफरातफरी मच गयी। बैठक मे आमंत्रित जिला पंचायत सदस्य अजय कुमार सिंह ने बैठक के ऐजेंडे पर सवाल खडा किया और बोले कि.जब ब्लॉक प्रमुख का शपथ ग्रहण हो चुका है। और वह सदन मे मौजूद भी.हैं तो ऐसी दशा मे त्रिस्तरीय कमेटी के द्वारा बैठक कार्यवाही कराये जाने का क्या औचित्य है।सदन मे मौजूद दर्जनों बीडीसी सदस्यों ने जिला पंचायत सदस्य के इस बात का समर्थन जताते हुये सदन का बहिष्कार कर बैठक से बाहर चले गये और नारेबाजी करने लगे। अफरातफरी और हो हल्ले के बीच सदन मे मौजूद महिला. बीडीसी सदस्य अपनी सुरक्षा को लेकर खंड मुख्यालय से दूर बाहर चली गयीं। बैठक मे अप्रत्याशित विरोधी दो धडो के बीच मारपीट की संभावना और बने गरमा गरमी के माहौल को देखकर सुरक्षा मे लगे स्थानीय पुलिस के भी हाथ पांव फूल गये। हालांकि थाना प्रभारी राम आशीष उपाध्याय ने सदन मे पंहुच कर दोनो पक्षो को कंट्रोल किया। और इसी दौरान स्थिति की गंभीरता और ऐजेंडे मे हुई चूक को देखते हुये बीडीओ विमलेश चंद्र त्रिवेदी ने कोरम पूरा न होने की बात कहते हुये बैठक स्थगन की घोषणा कर दी। हो–हल्ले की बीच सदन मे मौजूद सहमी बैठक की अध्यक्षता कर रही क्षेत्र पंचायत प्रमुख पार्वती सरोज ने कहा कि कुछ उपद्रवियों के चलते बैठक नही हो सकी। कोरम पूरा था इसे सिद्ध करने का अवसर नही मिला।क्योंकि मौजूद बीडीसी सदस्यों की सुरक्षा को ही खतरा पैदा हो गया। कुछ लोग जिन्हें क्षेत्र के विकास से कोई मतलब नही है। वे भय का माहौल बनाकर राजनीतिक खडयंत्र के तहत क्षेत्र का विकास रोकना चाहते है। त्रिस्तरीय कमेटी के तहत आहूत बैठक के ऐजेंडे के सवाल पर खंड विकास अधिकारी विमलेश चंद्र. त्रिवेदी ने कहा कि लिपकीय त्रुटि के चलते ऐसा हुआ। जिसे सुधार कर दोबारा ऐजेंडा तैयार किया गया था। कोरम के अभाव मे बैठक स्थगित की जा रही है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री का हुआ भव्य स्वागत

सुलतानपुर (आरएनएस)। प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्य सभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा 'तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानंदाचार्य पद्मविभूषित परमपूज्य श्री राम भद्राचार्य जी की' कथा में शामिल होने के लिए पट्टी प्रतापगढ़ जा रहे का पयागीपुर चौराहे पर आर एस मॉल में भाजपा नेता डॉ डीएस मिश्रा के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व अध्यक्ष डॉ सीताराम त्रिपाठी, पूर्व जिला महामंत्री शशिकांत पाण्डेय, डॉ हरि नारायण उपाध्याय, आकाश जायसवाल नगर अध्यक्ष, धर्मेंद्र द्विवेदी, जिला पंचायत सदस्य अजय कुमार चतुर्वेदी उर्फ नंदन चतुर्वेदी गोविंद तिवारी टांडा पूजा कसौधन वीरेंद्र भार्गव रामविलास सिंह मंडल अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव, डॉ शांतनु मिश्र डॉ शाश्वत मिश्र, रामचरित्र पांडे दिलीप मिश्रा विनोद मिश्रा गिरीश मिश्रा आनंद मिश्रा अखिलेश मिश्रा सौरभ पाण्डेय, पीके सिंह ,सुयश नारायण उपाध्याय,, जय प्रकाश शुक्ला, पंडित गौरव शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

बीस दिन बाद भी पचास लाख लूट का खुलासा नही कर सकी पुलिस

सुलतानपुर। थाना बल्दीराय पुलिस बीस दिन पूर्व हुए पचास लाख की लूट का खुलासा अभी तक नही कर सकी है पीड़ित परिवार आज भी दहशत में है। घटना क्रम मे बता दे कि स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पूरे मिर्जा मजरे सदुल्लापुर में विगत दो अक्टूबर को जरगाम पुत्र अंसार के मकान में सरेशाम छः बजे तीन नकाबपोश बदमाशो ने घुसकर लूटपाट की यही नही बदमाशो ने लूटपाट का विरोध करने पर जरगाम की पत्नी महनाज को चाकू से हमला कर घायल कर दिया, गृहस्वामी जरगाम ने इस घटना की तहरीर थाना में दी पुलिस तत्काल हरकत में आई और पीड़ित के मकान पर कई दिन तक पुलिस का पहरा लगा कर परिवार को सुरक्षा दी।

इसी के साथ लूटकाण्ड की गुथ्थी उलझ गई पुलिस मामले को ठन्डे बस्ते में डाल दिया लूट कान्ड से प्रभावित परिवार आज भी दहशत में है। पीड़ित परिवार घटना के खुलासे के लिए लगातार अधिकारियो से सिफारिश कर रहा है लेकिन बल्दीराय पुलिस घटना का खुलासा बीस दिन बाद नही कर सकी जिससे प्रश्न चिन्ह उभर रहा है। इस संबंध मे पुलिस क्षेत्राधिकारी सौरभ सांवत ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए पुलिस लगातार अपना कार्य कर रही है जल्दी ही घटना का खुलासा हो जाएगा।

जनपद को मिले २२ ग्राम पंचायत अधिकारी और समाज कल्याण सचिव-मनीष मीना,सीडीओ

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ के माध्यम से ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी एवं समाज कल्याण पर्यवेक्षक के पदों पर चयनित हुए 600 अभ्यर्थियों को जहां लखनऊ में मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण किया गया।

वही इसी क्रम में जनपद मथुरा हेतु नियुक्त 18 ग्राम पंचायत अधिकारी एवं 04 ग्राम विकास अधिकारी (समाज कल्याण) आदि को कलक्ट्रेट सभागार मथुरा में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीणा की उपस्थिति में गन्ना विकास एवं चीनी मिल कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार लक्ष्मी नारायण चौधरी, विधायक बल्देव पूरन प्रकाश,विधायक माट राजेश चौधरी, सदस्य विधान परिषद उ.प्र. ठा. ओमप्रकाश सिंह के द्वारा नव–नियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों एवं ग्राम विकास अधिकारियों (समाज कल्याण को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये तथा सरकार की लोक–कल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्धा में उपस्थित जन–समूह को जानकारी प्रदान की गयी। नियुक्ति पत्र वितरण के समय डीपीआरओ श्रीमती किरन चौधरी, जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र पाल सिंह भी उपस्थित रहे।सभी अधिकारियों द्वारा नवनियुक्त कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी गई तथा कहा गया कि वह सभी कर्मचारी अपने क्षेत्र में जाकर के शासन की मंशा के अनुरूप एवं समाज के कल्याण एवं ग्राम पंचायतों के विकास में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे।

एकजुटता से दीपोत्सव का बनेगा विश्व रिकार्डः प्रतिभा गोयल

–कुलपति ने दीपोत्सव की सफलता के लिए प्राचार्यो के साथ की समीक्षा बैठक

अयोध्या(आरएनएस)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से दीपोत्सव के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन पूरे मनोयोग से दीपोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। रामनगरी में प्राण प्रतिष्ठा के बाद का पहला दीपोत्सव है। मॉ सरयू व भूमि यही वंदना करते है कि दीपोत्सव कार्य निर्विघ्न पूरा करें। कुलपति ने यह बाते गुरूवार को विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में महाविद्यालयों एवं इण्टर कालेजों के प्राचार्यों के साथ तैयारियों की समीक्षा बैठक में कही। उन्होंने कहा कि आप सभी की एकजुटता से प्रभु श्रीराम नगरी अयोध्या में 25 लाख से अधिक दीए प्रज्ज्वलित करके विश्व कीर्तिमान बनायेंगे। कुलपति ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंशानुरूप उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग व विवि के संयुक्त संयोजन में विश्वविद्यालय का आठवां दीपोत्सव होगा, जिसे जिला प्रशासन के सहयोग से लक्ष्य को प्राप्त करेंगे और स्वयंसेवकों की मदद से सातवीं बार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज होगा। विश्वविद्यालय द्वारा दीपोत्सव की तैयारियां को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने महाविद्यालयों एवं इण्टर कालेजों के प्राचार्यों को बताया कि पूर्व की भांति दीपोत्सव को एतिहासिक बनायेंगे। आप सभी के सहयोग से पिछला रिकार्ड तोड़ते हुए एक नया विश्व रिकार्ड बनायेंगे। उन्होंने बताया कि राम की पैड़ी के 20 घाटों पर दीयों की खेप पहुँचनी शुरू हो गई है। 25 से घाटों पर दीयों को बिछाने का कार्य शुरू हो जायेगा। घाटों पर दीयों की सुरक्षा जिला पुलिस प्रशासन द्वारा की जायेगी। इस बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रोग्रामर रवि प्रकाश मालवीय सहित अयोध्या महाविद्यालय व इण्टर कालेज के प्राचार्य एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे।

दरोगा पर हमला कर सरकारी जीप क्षतिग्रस्त करने में पांच अरोपित दोषमुक्त

अयोध्या(आरएनएस)। खण्डासा थाना क्षेत्र में रूपये के लेनदेन को लेकर हुए विवाद को सुलझाने गए पुलिस पार्टी पर लाठी–डंडे से जानलेवा हमला कर सरकारी जीप को क्षतिग्रस्त कर दरोगा को गम्भीर रूप से जख्मी करने के मामले में पांच आरोपितों चक्र बहादुर सिंह, ओंकार नाथ सिंह, कृष्ण कुमार यादव, शिवाकांत तिवारी व प्रदीप तिवारी पर अपराध साबित न होने पर बाइज्जत बरी हो गये। यह फैसला द्वितीय फास्ट ट्रैक न्यायाधीश रवि कुमार गुप्ता ने वादी एवं गवाहों के बयान तथा बचाव पक्ष के तर्कों को सुनने के बाद सुनाया।यह घटना अयोध्या जनपद के खंडासा थाना अन्तर्गत मिश्रौली गांव का नौ साल पूर्व का है। बचाव पक्ष से वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र प्रताप सिंह ने पैरवी किया। तर्क दिया कि घटना मिश्रौली गांव का है लेकिन विवेचक ने आरोप पत्र में मिश्रौली गांव के किसी भी व्यक्ति को आरोपित नहीं किया गया है। घटना झूंठी व मनगढ़ंत है। पुरानी रंजिश के कारण फर्जी फसाया गया है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक 10 अक्टूबर 2015 को दूरभाष पर सूचना मिली कि ग्राम मिश्रौली थाना खंडसा में दो पक्षों में रूपये के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया। दरोगा राम नरायण यादव हमराह पुलिस वालों के साथ सरकारी जीप से पहुंचे रूपये के लेनदेन को लेकर राम सुन्दर यादव व चक्र बहादुर सिंह के बींच लेनदेन को लेकर विवाद हो रहा है। मामले को समझाने पर चकबहादुर व उनके लोगों ने पुलिस वालों पर हमला कर पुलिस जीप क्षतिग्रस्त कर दिया। दरोगा पर हमला कर जख्मी कर दिया । यह मुकदमा थाना खंडसा में दरोगा रामनरायन यादव की तहरीर पर पांच हमलावरों चक्र बहादुर सिंह, ओंकार नाथ, कृष्ण कुमार यादव शिवाकांत तिवारी व प्रदीप तिवारी के विरूद्ध अपराध संख्या 228ध2015 के तहत कई गंभीर अपराधों में दर्ज हुई।

धर्मान्तरण कराने में आरोपिता को जमानत

अयोध्या(आरएनएस)। बीकापुर कोतवाली के दर्जन भर महिलाओं व पुरूषों को हिन्दू देवी देवताओं के प्रति भड़काकर ईसाई धर्म स्वीकर करने के लिए दबव बनानरे एवं मारपीट करने के मामले में जेल में निरूद्ध मुख्य आरोपिता मीरा कुमारी की जमानत अर्जी सुनवाई के बाद मंजूर हो गयी। यह आदेश प्रभारी सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार दूबे ने दिया। यह घटना बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के खजुरहट बाजार का है। आरोपित पक्ष से वरिष्ठ अधिवक्ता एखलाक अहमद ने पैरवी किया। तर्क दिया कि वह निर्दोष है। मुकदमें में फर्जी तरीके से अरोपित किया गया है। वह न तो काई धर्म प्रचारक है और न ही धर्म शिक्षक है। उसके पास धर्म परिवर्तन से संबंधित कोई किताब अथवा अन्य प्रचार सामाग्री ही बरामद हुई है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक वादी राम जियादव निवासी खजुरहट थाना बीकापुर को 29 सितम्बर 2024 को घरेलू सामान खरीदने गया था इनके साथ कई महिलाओं व बच्चों को पैंसो का लालच देकर अवैध रूप से धर्मान्तरण कराये जाने के लिए दबाव बनया जा रहा था। इस दौरान वादी से मारपीट भी किया गया। घटना की रिपोर्ट मीरा कुमारी व मोतीलाल के विरूद्ध थाना बीकापुर में अपराध संख्या 362ध2024 के तहत दर्ज हुई।

संपादकीय

रूस की युद्ध मशीन को ताकत मिली

भारत रूस को प्रतिबंधित तकनीकोंच्य का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। भारत से हुए निर्यात में माइक्रोचिप, सर्किट और मशीन–टूल्स शामिल हैं। पश्चिम का आरोप है कि इन वस्तुओं से रूस की युद्ध मशीनच्य को ताकत मिली है।

इस खबर को पश्चिम में खूब तव्वजो मिली है और इस पर पश्चिमी राजनयिकों की तीखी प्रतिक्रिया फिर सामने आई है। खबर है कि भारत रूस को प्रतिबंधित तकनीकोंच्य का निर्यात करने वाला चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। भारत ने जिन वस्तुओं का निर्यात बढ़ाया है, उनमें माइक्रोचिप, सर्किट और मशीन–टूल्स शामिल हैं। पश्चिमी राजनयिकों का आरोप है कि इन निर्यातों से रूस की युद्ध मशीनच्य को ताकत मिली है। यह खबर प्रकाशित होने के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इससे जुड़ी चिंताएं फिर से भारतीय अधिकारियों के सामने उठाई जाएंगी।

खबरों के मुताबिक भारत के जरिए रूस तक निर्यातों के पहुंचने के सवाल पर हाल के महीनों में अमेरिका और यूरोपियन यूनियन के अधिकारियों ने अपना खास ध्यान केंद्रित किया है। अधिकारियों ने मीडिया से कहा है कि उन्हें और भी ज्यादा नाराजगी इस पर हुई है कि जब कभी उन्होंने अपनी चिंताएं बताईं, भारतीय अधिकारियों ने उन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। इस कारण ही हाल में रूस से कारोबार करने वाली कई भारतीय कंपनियों पर पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगाए हैं। फिलहाल भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस बारे में कुछ कहने से इनकार किया है। लेकिन यह साफ है कि सभी पक्षों से रिश्ता रखनेच्य की भारत सरकार की नीति अब पश्चिमी देशों को खासा चुभने लगी है। उनके रुख में एक तरह की तल्खी भी देखी जा रही है। इसे संभवतरू कई माध्यमों से वे जता भी रहे हैं।

यह साधारण बात नहीं थी कि पिछले महीने जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका में थे, तभी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के गुट की बात सुनने के लिए उसके नुमाइंदों को ह्वाइट हाउस आमंत्रित किया गया। उधर पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान जब मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मिले, तो ट्रूडो ने खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अपना भारत विरोधी रुख पूरी उग्रता के साथ जताया। मुमकिन है कि रूस को निर्यात और पन्नू– निज्जर विवाद में आपसी संबंध देखना उचित ना हो, लेकिन पश्चिम के रुख में भारत के प्रति बढ़ती तल्खी साफ है।

पीएम इंटर्नशिप योजना करके सीखने के विचार का लोकतंत्रीकरण

कल्पना कीजिए रीना (काल्पनिक नाम) के बारे में, जो देश के तीसरी श्रेणी के एक शहर के एक राज्यस्तरीय विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले एक कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक है। उसके कॉलेज में कोई प्लेसमेंट सेल नहीं है और शैक्षणिक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बावजूद, शिक्षा प्राप्ति के बाद के उसके विकल्प सरकारी नौकरी की परीक्षा की तैयारी, पड़ोस के स्कूल में पढ़ाने (जिसके लिए उसके पास योग्यता हो भी सकती है और नहीं भी) या शादी कर लेने तक ही सीमित हैं। कुल मिलाकर, देश के एक तिहाई युवाओं (15–29 वर्ष की आयु के) और आधी से अधिक युवतियों की उपस्थिति शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण के क्षेत्र में नहीं हैं । यही नहीं, देश के युवाओं का एक बड़ा वर्ग किसी निजी कंपनी द्वारा नौकरी पर रखे जाने से कोसों दूर है। इस संदर्भ में, हाल ही में शुरू की गई पीएम इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) युवा सशक्तीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता द्वारा समर्थित एक बाजार–आधारित और युवाओं द्वारा संचालित समाधान पेश करती है।

पीएमआईएस को युवाओं के एक विशिष्ट समूह को शीर्ष 500 कंपनियों में 12 महीने की इंटर्नशिप का अवसर प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कम आय वाले परिवारों के 21–24 वर्ष की आयु और मैट्रिक से लेकर स्नातक तक (आईआईटी स्नातक, सीए, आदि को छोड़कर) की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले युवा इस योजना के पात्र हैं। यह योजना 5000 रुपये का मासिक स्टाइपेंड प्रदान करती है, जिसे सरकार (4500 रुपये) और कंपनी (500 रुपये) द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया जाता है। साथ ही, आकस्मिक व्यय के लिए अतिरिक्त 6000 रूपये भी दिए जाते हैं। इस योजना के प्रायोगिक चरण का लक्ष्य 2024 में 1.25 लाख युवाओं को लाभान्वित करना है, जबकि पांच वर्ष में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य है। इस योजना के तहत खर्च के लिए कंपनियां अपने सीएसआर फंड का भी उपयोग कर सकती हैं।

लंबे समय से इंटर्नशिप को युवा उम्मीदवारों और नियोक्ताओं के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद एक व्यवस्था के रूप में जाना जाता रहा है। शिक्षा से जुड़े शोधकर्ताओं और शिक्षण से संबंधित वैज्ञानिकों ने कार्य–आधारित शिक्षा के महत्व को पहचाना है। डेविड कोल्ब्स, जॉन डेवी, कर्ट लुईस एवं कई अन्य विद्वानों द्वारा प्रवर्तित अनुभवात्मक शिक्षण से संबंधित दृष्टिकोण, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार श्रमशक्ति के विकास के महत्वपूर्ण साधन साबित हुए हैं। इंटर्नशिप वास्तव में संवाद, सहयोग, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बेहतर बनाती है।

युवा उम्मीदवारों के लिए, पीएमआईएस के तहत प्रदान किए जाने वाले इंटर्नशिप न केवल अवसर हैं बल्कि परिवर्तनकारी अनुभव भी हैं। वे कॉरपोरेट जगत की वास्तविक दुनिया से परिचित कराती हैं, जो देश भर के अधिकांश कॉलेजों में पढ़ाई जाने वाली शिक्षा की अपेक्षाकृत अधिक व्यवस्थित एवं स्थिर दुनिया से काफी भिन्न है। अपने करियर की सर्वोत्तम राह को विकसित करने और पहचानने के अलावा, उम्मीदवार जिम्मेदारी संभालने, समस्या के समाधान, निर्णय लेने, टीम वर्क और समय के प्रबंधन के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी हासिल कर सकते हैं। इंटर्नशिप प्रवेश से संबंधित उन बाधाओं को भी तोड़ देती है, जिससे छोटे शहरों व गांवों के प्रतिभाशाली, ईमानदार और समर्पित युवाओं को भी जूझना पड़ता है। इन बाधाओं में धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना, ई–मेल से जुड़ा शिष्टाचार, कंप्यूटर व एमएस ऑफिस का उपयोग करना या विश्वसनीय एवं सर्वाधिक प्रासंगिक जानकारी के लिए इंटरनेट पर खोज करने जैसी बुनियादी चीजें शामिल हैं। देश के प्रमुख संस्थानों एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में जहां इंटर्नशिप प्रचलन में है, वहीं कैरियर संबंधी परामर्श एवं नौकरी–उन्मुख नेटवर्किंग की कमी के कारण राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों और कम प्रसिद्ध कॉलेजों में, यह एक असामान्य चीज बनी हुई है। इन्हीं राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों और कम प्रसिद्ध कॉलेजों में अधिकांश युवा पढ़ते हैं। इस तरह, पीएमआईएस के जरिए बड़े पैमाने पर प्रदान किए जाने वाले इंटर्नशिप गैर–मेट्रो शहरों के युवाओं के लिए समान अवसर प्रदान करती है और संभावित प्लेसमेंट के लिए दरवाजे खोलने का काम करती है। व्यक्तिगत स्तर पर, नई मिली आर्थिक आजादी आत्मविश्वास बढ़ाती है और युवा प्रतिभाओं को बेहतर करने और ऊंचे लक्ष्य रखने के लिए प्रेरित करती है। युवतियों के मामले में, आर्थिक आजादी और आत्म–मूल्य की भावना शादी की उम्र और विवाह के पूर्व की शर्तें जैसी जीवन के फैसलों में बदलाव ला सकती है। कौशल के लिए प्रशिक्षण की बहुप्रशंसित रणनीति को लागू कर सकती है।

ब्रेक के बाद चीन से पुनः दोस्ती के वैश्विक मायने को ऐसे समझिए

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी है कि भारत–चीन के सम्बन्धों का महत्व सिर्फ हमारे लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति के लिए भी अहम हैं। सीमा पर उभरे मुद्दों पर बनी सहमति का स्वागत है। सियासत की तरह वैश्विक कूटनीति में भी न तो कोई किसी का स्थायी दोस्त होता है और न ही चिरस्थायी दुश्मन, कुछेक अपवादों को छोड़कर। शायद यही सोचकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से एक बार फिर हाथ मिलाने की रस्म पूरी कर ली। वो भी मित्र देश रूस के उस कजान शहर में जहां ब्रिक्स देशों की समिट हुई। इससे हमारे प्राकृतिक मित्र और स्थायी शुभचिंतक देश रूस को सबसे ज्यादा खुशी हुई, क्योंकि इस स्थिति को पैदा करने का अहम सूत्रधार वही है। आज दुनिया जिस विकट स्थिति से गुजर रही है, उसके दृष्टिगत भी भारत–चीन का निकट आना अहम है, क्योंकि इससे दोनों देशों के बीच युद्ध की संभावनाएं निर्मूल साबित होंगे। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत–चीन की दोस्ती के वैश्विक मायने अहम हैं।यह शांति, स्थिरता और विकास की गारंटी है। वैसे तमाम ऐतिहासिक सम्बन्धों, पंचशील सिद्धांतों और मोदी–चिनफिंग मित्रता के बावजूद कभी भारत चीन युद्ध 1962, तो कभी लद्दाख में गलवान घाटी हिंसक झड़प की जो नौबत आई, वैसी स्थिति निकट भविष्य में पैदा न हो, और यदि हो भी तो भारत अपनी ओर से पुख्ता प्रतिरक्षात्मक तैयारी रखे, इसी रणनीति के साथ भारत–चीन सम्बन्धों को आगे बढ़ाने में कोई हर्ज नहीं है। हां, उससे इस बात की गारंटी लेनी होगी कि सिर्फ भारत–चीन सीमा पर ही नहीं, बल्कि भारत के पड़ोसी देशों यथा पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका और मालदीव के अलावा ईरान में भी उसे भारतीय हितों के आगे नहीं जाना होगा, अन्यथा स्थायी मित्रता मुश्किल है!आज जिस तरह से रूस–यूक्रेन युद्ध और इजरायल–फिलिस्तीन युद्ध को पश्चिमी देशों द्वारा हवा दी जा रही है, भारत–कनाडा के तल्ख होते रिश्तों और भारत–अमेरिका और भारत–ब्रिटेन के दांवपेंच भरे रिश्तों को नियंत्रित करने के लिए भी भारत–चीन के मधुर सम्बन्ध बेहद अहम साबित हो सकते हैं। इसके अलावा, बेकाबू हो रहे इस्लामिक देशों जैसे पाकिस्तान–बंगलादेश आदि को नियंत्रित करने के लिहाज से भी भारत–चीन एक दूसरे के काम आ सकते हैं। आज जिस तरीके से कहीं ईसाइयत तो कहीं इस्लाम हावी होते जा रहे हैं, उसके दृष्टिगत भी हिन्दू मिजाज वाला देश हिंदुस्तान और बौद्ध मिजाज वाला देश चीन परस्पर मिलकर बहुत कुछ उम्दा कर सकते हैं। शायद यही सोच दोनों देशों का नेतृत्व थोड़ा झुका और दोस्ती की बात आगे बढ़ाई जा सकी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी है कि भारत–चीन के सम्बन्धों का महत्व सिर्फ हमारे लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति के लिए भी अहम हैं। सीमा पर उभरे मुद्दों पर बनी सहमति का स्वागत है। शांति–स्थिरता रखना हमारी प्राथमिकता रहनी चाहिए।आपसी विश्वास, साझा सम्मान और पारस्परिक संवेदनशीलता सम्बन्धों का आधार बने रहना चाहिए। मुझे विश्वास है कि हम खुले मन से बातचीत करेंगे। वहीं, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग का यह कहना है कि भारत और चीन को सम्बन्ध स्थिर बनाए रखने के लिए एक दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए, जिससे दोनों देशों के विकास लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिल सके। इसके लिए हमें मतभेद दूर करने के लिए कम्युनिकेशन और साथ मजबूत करना चाहिए। दोनों ही प्राचीन सभ्यताएं और विकासशील देश हैं। इसलिए पारस्परिक हितों को आगे बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका सम्बन्धों की सही दिशा को बनाये रखना है। ऐसे में सम्बन्धों की सही दिशा क्या होगी, विचारणीय पहलू है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि कई एक मसलों पर आज भारत की दिशा कुछ और है और चीन की दिशा कुछ और, इसलिए खुले मन से ही इस पर पारस्परिक विचार किया जा सकता है। इस क्रम में सम्प्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का ध्यान रखना सर्वोपरि होना चाहिए। फिर व्यापार संतुलन को तरजीह दिया जाना चाहिए, जो अभी चीन के पक्ष में एकतरफा है। इसके अलावा, एक–दूसरे को घेरने की रणनीति के विचार को त्याग देना चाहिए। क्योंकि इससे पश्चिमी देशों को फायदा होगा और भारत–चीन को काफी क्षति! वहीं, चीन के साथ सम्बन्धों के विकास में भारत को हिंदूवादी नजरिया अपनाना होगा, क्योंकि यही वो दृष्टिकोण है जो पारस्परिक सभ्यता–संस्कृति के विकास से लेकर आर्थिक व्यवहार में समृद्धि की गारंटी दे सकते हैं। भारत भगवान बुद्ध की जन्मस्थली है, कर्मस्थली है, इसलिए पर्यटन विकास के द्वारा हमलोग दक्षिण–पूर्वी एशियाई देशों को पारस्परिक सूत्र में पिरो सकते हैं। वहीं, भारत–चीन सीमा पर स्थित हिमालय, जो नेपाल, भूटान से भी जुड़ा हुआ है, के विकास में अपार पर्यटकीय संभावनाएं छिपी हुआ हैं, जिसे आसेतु हिमालयी देशों के बीच उभारने की जरूरत है। इससे पूरी दुनिया भारत की ओर खिंचेगी। इससे होने वाली अकूत आय से भी भारत–चीन सीमा की निगरानी और रखरखाव में भी दिक्कत नहीं आएगी। सबकुछ पारदर्शी हो जाएगा।एक बात और, अरब देशों से भारत के सम्बन्ध हमेशा से अच्छे रहे हैं। लेकिन जब से मुस्लिम आक्रमणकारियों और आतंकवादियों ने भारत को धार्मिक नजरिए से रौंदना शुरू किया, तब से उसके साथ सम्बन्धों में हमें फूंक–फूंक कर चलना होता है। खासकर पाकिस्तान और बंगलादेश के अभ्युदय से भारतीय विदेशनीति की चुनौती बढ़ी है। पहले अमेरिका ने अरब मुल्कों से अच्छे सम्बन्ध बनाए। लेकिन इजरायल के मुद्दे पर जब विरोधाभास बढ़ा तो ईरान की मुखरता देख चीन और रूस ने अरब देशों में अपनी जड़ें गहरी जमा लीं। ऐसे में भारत को अपने राष्ट्रीय हितों के मुताबिक सतर्कता पूर्वक अरब देशों से सम्बन्ध विकसित करने होंगे, क्योंकि आज अमेरिकी गुट और रूसी गुट, दोनों से भारत के सम्बन्ध मधुर हैं। वहीं, सऊदी अरब और ईरान से भी अच्छी दोस्ती है, क्योंकि ये पाक परस्त नहीं हैं। इसे भी संतुलित रखने में चीनी मित्रता काम आ सकती है।खास बात यह है कि भारत–चीन में एलएसी विवाद पर सुलझते रिश्तों के बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि चीन पर निवेश प्रतिबंध लागू रहेंगे। क्योंकि भारत आंखें बंद करके किसी भी देश से निवेश नहीं ले सकता है। उन्होंने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर सावधानी बरतने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय हित की सुरक्षा सबसे जरूरी है। हम देश में निवेश के लिए आंख बंद करके किसी भी देश से पैसा नहीं ले सकते और आंखें मूंदकर एफडीआई स्वीकार नहीं कर सकती। यह भूलकर या इस बात से बेखबर रहकर कि यह कहां से आ रहा है। उन्होंने ठीक ही कहा कि संवेदनशील भू–राजनीतिक परिदृश्य के कारण कुछ प्रतिबंध लागू रहने चाहिए। हम व्यापार चाहते हैं। हम निवेश चाहते हैं। लेकिन हमें कुछ सुरक्षा उपायों की जरूरत है, क्योंकि भारत ऐसे पड़ोस के बीच स्थित है जो बहुत ही संवेदनशील है। उधार, पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त को लेकर चीन के साथ समझौते के ऐलान पर भी कांग्रेस ने कहा है कि इस बारे में सरकार को देश को भरोसे में लेना चाहिए। हम आशा करते हैं कि दशकों में विदेश नीति को लगे इस झटके का सम्मानजनक ढंग से हल भारत के प्रावधानों के तहत ही निकाला जा रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि सैनिकों वापसी से पहले वही स्थिति बहाल होगी, जैसी मार्च 2020 में थी। पार्टी ने कटाक्ष किया कि यह दुखद गाथा पूरी तरह से चीन के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नासमझी और भोलेपन नतीजा है। क्योंकि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी की चीन ने तीन बार भव्य मेजबानी की थी। जबकि प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने चीन की पांच आधिकारिक यात्राओं के साथ 18 बैठकें की। वहीं, वैश्विक नजरिए से भारत का पक्ष तब सबसे अधिक कमजोर

उमर अपनी बात पर कितना खरा उतरते हैं ?

बकौल मीडिया रिपोर्ट, चुनाव जीतने के तुरंत बाद उमर ने स्पष्ट कर दिया था, हमें केंद्र के साथ समन्वय बनाकर चलने की जरूरत है। जम्मू–कश्मीर के कई मुद्दों का समाधान केंद्र से लड़ाई करके नहीं हो सकता। यह देखना रोचक होगा कि मुख्यमंत्री उमर अपनी इस बात पर कितना खरा उतरते हैं?

उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित जम्मू–कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। श्रीनगर में आयोजित कार्यक्रम में उप–राज्यपाल (एल.जी.) मनोज सिन्हा ने उमर के साथ पांच मंत्रियों को पद–गोपनीयता की शपथ दिलाई। उमर की पार्टी से सुरिंदर चौधरी उप–मुख्यमंत्री, तो निर्दलीय सतीश शर्मा मंत्री बनाए गए है। यह एक अच्छी शुरूआत है। परंतु प्रश्न उठता है कि मुस्लिम बाहुल्य प्रदेश में एक हिंदू मुख्यमंत्री क्यों नहीं बन सकता? यह स्थिति तब है, जब देश में ऐसे कई उदाहरण है, जहां हिंदू प्रधान राज्यों– केरल, महाराष्ट्र, असम, राजस्थान, बिहार, मणिपुर, पुडुचेरी और आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री मुस्लिम और ईसाई समाज से भी रहे है। यही नहीं, हिंदू बहुल भारत में कई गैर–हिंदू राष्ट्रपति, उप–राष्ट्रपति और राज्यपाल भी बन चुके है।

सत्तारुढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एन.सी.) ने अपने घोषणापत्र में जो 12 वादे किए है, उनमें सूबे में धारा 370–35ए और राज्य के दर्जे को बहाल करने के साथ कश्मीरी पंडितों की घाटी में सम्मानजनक वापसी का वादा भी शामिल है। मोदी सरकार ने इस बात को कई बार दोहराया है कि वह जम्मू–कश्मीर के राज्य के दर्जे को बहाल करने को प्रतिबद्ध है। इस सच्चाई से उमर भी अवगत है कि एल.जी. के पास कई शासकीय शक्तियां है और केंद्र के सहयोग बिना, कई काम (राज्य दर्जा सहित) पूरे नहीं हो सकते।

जम्मू–कश्मीर के अतिरिक्त, देश में सात और राज्य–अंडमान–निकोबार, चंडीगढ़, दादरा–नगर हवेली दमन–दीव, दिल्ली, लद्दाख, लक्षद्वीप और पुडुचेरी केंद्र शासित है। वर्तमान समय में संभवतरू दिल्ली ही एकमात्र ऐसा केंद्र शासित प्रदेश है, जहां की निर्वाचित सरकार और एल.जी. के बीच संबंध तल्ख है। इस संदर्भ में क्या जम्मू–कश्मीर की स्थिति दिल्ली जैसी हो सकती है? कांग्रेस की दिवंगत नेत्री शीला दीक्षित 1998–2013 तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थी। यदि केंद्र सरकार में उनकी पार्टी के नेतृत्व को छोड़ दें, तब मुख्यमंत्री के रूप में शीला दीक्षित की 1998–2004 के कालखंड में राजनीतिक मतभेदों के बाद भी तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी सरकार की अगुवाई में भाजपा नीत केंद्र सरकार से कोई तनातनी नहीं थी। इसमें बदलाव अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप्च) की सरकार (2013 से अबतक) बनने के बाद आया, जो समन्वय के स्थान पर टकराव से देश की राजधानी में सरकार चला रही है। इस प्रकार की अराजकतावादी राजनीति कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी की देन है, जिन्होंने बिना वर्ष 2013 में किसी मंत्रिपद के अपनी ही सरकार के एक अध्यादेश को प्रेस–कॉन्फ्रेंस में फाड़कर फेंक दिया था और अब प्रधानमंत्री मोदी के लिए अमर्यादित शब्दों का उपयोग करते है।ऐसा नहीं है कि दिल्ली में एल.जी. और आप्च के बीच तनातनी मई 2014 के बाद मोदी सरकार में प्रारंभ हुई है। कांग्रेस नीत केंद्र सरकार द्वारा एल.जी. बनाए गए नजीब जंग (2013–16) के साथ भी आप्च सरकार का रवैया कटु था। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उमर अब्दुल्ला को प्रत्यक्ष–परोक्ष रूप से अपनी पार्टी जैसा आचरण अपनाने का मशविरा दिया है।

बकौल मीडिया रिपोर्ट, चुनाव जीतने के तुरंत बाद उमर ने स्पष्ट कर दिया था, हमें केंद्र के साथ समन्वय बनाकर चलने की जरूरत है। जम्मू–कश्मीर के कई मुद्दों का समाधान केंद्र से लड़ाई करके नहीं हो सकताज। यह देखना रोचक होगा कि मुख्यमंत्री उमर अपनी इस बात पर कितना खरा उतरते हैं?

एक पुराना मुहावरा है– हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और। क्या सच में सत्तारुढ़ एन.सी. अस्थायी धारा 370–35ए की वापसी चाहती है? अब्दुल्ला परिवार (फारुख–उमर) राजनीति में परिपक्व है। एक तो उन्हें मालूम है कि अब केंद्र में किसी भी दल की सरकार रहे, इन दोनों धाराओं की वापसी लगभग नामुमकिन है। सर्वोच्च अदालत की संवैधानिक पीठ भी लंबी सुनवाई के बाद धारा 370–35ए के संवैधानिक परिमार्जन को हरी झंडी दे चुकी है। दूसरा यह कि इन दोनों प्रावधानों से क्या वाकई जम्मू–कश्मीर का कोई भला हुआ था? सच तो यह है कि धारा 370–35ए से कश्मीर की न केवल प्रगति रुक गई थी, बल्कि पाकिस्तान के सहयोग–वित्तपोषण से घाटी मध्यकालीन युग की ओर लौटने लगी थी।

क्या यह सच नहीं कि धारा 370–35ए के सक्रिय रहते–घाटी में सभी आर्थिक गतिविधियां कुंद थी, विकास कार्यों पर लगभग अघोषित प्रतिबंध था, सेना–पुलिसबलों पर लगातार पत्थरबाजी होती थी, पर्यटक घाटी आने से कतराते थे, अलगाववादियों द्वारा मनमर्जी बंद बुला लिया जाता था, सिनेमाघरों पर ताला था, मजहबी आतंकवाद के साथ पाकिस्तान समर्थित अलगाववाद का वर्चस्व था, वातावरण पाकिस्तान जिंदाबादच्य जैसे भारत–विरोधी नारों से दूषित था और शेष देश की भांति दलित–वंचितों के साथ आदिवासियों को मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों (आरक्षण सहित) पर डाका था?ईमानदारी से विश्लेषण करने के बाद इस बात को धारा 370–35ए के पैरोकार भी नहीं झुठला सकते कि इन दोनों धाराओं की समाप्ति के बाद जम्मू–कश्मीर शेष भारत की तरह पिछले पांच वर्षों से गुलजार है। इस कॉलम में कई अवसरों पर हाल ही में कश्मीर की बदली स्थिति और सकारात्मकता का जिक्र किया है। जिनमें–लालचौक की बढ़ती रौनक, नए–पुराने सिनेमाघरों के संचालन, जी–20 जैसा बड़ा वैश्विक सम्मेलन होना, देश–विदेश से लगभग सवा लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आना और हजारों–लाख रोजगारों के मौके सृजन होना आदि शामिल है।

अब्दुल्ला परिवार द्वारा अपनी पार्टी के घोषणापत्र में धारा 370–35ए को बहाल करने और कश्मीरी पंडितों की सम्मानजनक पुनर्वापसी का वादा– एक–दूसरे के परस्पर विरोधी है। धारा 370–35ए ही वही विषबीज था, जिसने कश्मीर में काफिर–कुफ्रच्य जनित इको–सिस्टम के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 2019 में इन धाराओं की समाप्ति– घाटी को उसके मूल बहुलतावादी स्वरूप में लौटाने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम था।जिस अलगाववाद, मजहबी कट्टरता और घृणा को यहां दशकों से पोषित किया गया है, जिसके कारण 1980–90 के दशक में रक्तरंजित जिहाद के बाद कश्मीरी पंडितों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा था– उसका समूचा विनाश पांच वर्ष में एकाएक संभव नहीं है। कश्मीरी पंडितों, जोकि इस भूखंड की मूल सनातन संस्कृति के ध्वजावाहक है– उनकी घाटी में सुरक्षित पुनर्वापसी उसी जहरीली मजहबी इको–सिस्टम मुक्त माहौल में ही संभव है। क्या नई उमर अब्दुल्ला सरकार से इस संदर्भ में किसी सहयोग की उम्मीद की जा सकती है?

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज परिवार में किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह–मशवरा होगा और इसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे। आज मनोरंजन संबंधी गतिविधियों में भी समय बीतेगा। आज आपके बच्चे नकारात्मक गतिविधियों और संगति से दूरी बनाकर रखेंगे। आज अपने व्यक्तिगत कामों में व्यस्त रहने के कारण...

वृष राशि–
आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आप खुद को एनेर्जेटिक महसूस करेंगे। संयम बनाकर काम करने से..आपके बिगड़ते काम भी बनेंगे। इस राशि के इंजीनीयर्स के लिए आज का दिन खास है। बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है।

मिथुन राशि–
आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे ।

कर्क राशि–
आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज आपको खुद को साबित करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। आज आपका मन दान–पुण्य में अधिक लगेगा। किसी काम को पूरा करने में आज किसी दोस्त की मदद मिलेगी। ऑफिस में आज आपको सम्मानित किया जा सकता है ।

सिंह राशि–
आज का दिन आपके लिए खघस होने वाला है । आज आपको कोई बड़ी खुशखबरी भी मिलने वाली है। आज अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना तथा अपने काम के प्रति एकाग्र चित्त होना... आपको सफलता देगा।

कन्या राशि–
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज ऑफिस में आपका कोई काम कलीग की सहायता से पूरा हो जायेगा। आज आपका पारिवारिक मामला किसी बड़े बुजुर्ग की सहायता से सुलझ जायेगा, परिवार में खुशियाँ आएँगी।

तुला राशि–
आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपकी सूझबूझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी । अधूरा रह सकता है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

वृश्चिक राशि–
आज आपका दिन बढिया रहने वाला है। आप परिवारवालों के साथ समय बितायेंगें... घर में खुशी का महौल बना रहेगा। इस राशि के एग्रोकेमिकल व्यापारी वर्ग को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है।

धनु राशि–
आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे, साथ ही आज किसी प्रभावशाली राजनीतिज्ञ से मुलाकात फायदेमंद होगी। आज कारोबार में आपको फायदा होगा।

मकर राशि–
आज का दिन उत्तम रहने वाला है । आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है। आज पारिवारिक रिश्तों में सौहार्दपूर्ण माहौल बना रहेगा ।

कुंभ राशि–
आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां सीखने को मिलेंगी। आज खर्चों की अधिकता रहेगी,

मीन राशि–
आज का दिन आपके लिए सुकून से भरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही चल रही है, तो निश्चित सफलता मिलेगी । में जिम्मेदारी पर गंभीरता से ध्यान दें।

सीरियल ब्लास्ट! पाकिस्तान के क्वेटा की कालोनी पर राकेट हमला, काबुल के खचाखच भरे बाजार में भीषण विस्फोट, बेकसूरों की ली जा रही है जान

इस्लामाबाद

विस्फोट का स्रोत तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया और तालिबान से कोई भी टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं था। अफगानिस्तान की राजधानी में सर्जिकल सेंटर चलाने वाले मानवीय समूह इमरजेंसी एनजीओ ने बताया कि विस्फोट पामीर सिनेमा जिले में सेकेंड हैंड कपड़ों के बाजार में हुआ। बुधवार को काबुल के खचाखच भरे बाजार में हुए विस्फोट में बच्चों समेत 11 लोग घायल हो गए, एक गैर–सरकारी संगठन ने बताया। विस्फोट का स्रोत तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया और तालिबान से कोई भी टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं था। अफगानिस्तान की राजधानी में सर्जिकल सेंटर चलाने वाले मानवीय समूह इमरजेंसी एनजीओ ने बताया कि विस्फोट पामीर सिनेमा जिले में सेकेंड हैंड कपड़ों के बाजार में हुआ।अफगानिस्तान में इमरजेंसी के डिप्टी कंट्री डायरेक्टर स्टेफानो गेनारो स्मिरनोव ने बताया कि घायलों में 3 साल की बच्ची और 4 साल का लड़का शामिल है। एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। स्मिरनोव ने बताया, ष्विस्फोट सेकेंड हैंड कपड़ों के बाजार में उस समय हुआ जब यह खुला था और लोग अंदर जाने के लिए भीड़ लगा रहे थे।यह पामीर सिनेमा पड़ोस है, जो काबुल में सबसे घनी आबादी वाले इलाकों में से एक है। इस हमले से प्रभावित होने वाले कई लोग गंभीर गरीबी की स्थिति में जी रहे होंगे।2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अफगानिस्तान में चरमपंथियों ने अपने हमले बढ़ा दिए हैं, लेकिन उनके निशाने पर आम तौर पर तालिबान और देश के शिया अल्पसंख्यक समुदाय के लोग होते हैं। क्वेटा की अचकजई कॉलोनी रॉकेट हमले की चपेट में डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को एक अलग घटना में, क्वेटा के खोजक रोड पर अचकजई आवासीय कॉलोनी की दीवार पर रॉकेट गिरे, जबकि खुजदार में ग्रेनेड हमले में दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, क्वेटा के हाली रोड पर फ्रंटियर कॉर्प्स, नॉर्थ के मुख्यालय पर अज्ञात स्थान से तीन रॉकेट दागे गए। हालांकि, वे एफसी मुख्यालय के करीब खोजक रोड पर गिरे और फट गए।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने डॉन को बताया, ष्इलाके में तीन रॉकेट फटे, हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।ष उन्होंने कहा कि कोई भी रॉकेट एफसी मुख्यालय पर नहीं गिरा। एक रॉकेट अचकजई कॉलोनी की दीवार पर लगा और कई घरों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। रॉकेट हमले के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और तलाशी अभियान शुरू कर दिया।

तुर्किये का कौन नया दुश्मन पैदा हो गया! कार में भरकर आये आतंकवादी महिला सहित तीन हमलावर

तुर्किये में एक बड़े आतंकी हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। इस हमले में हथियारबंद हमलावरों ने अंकारा के पास तुर्किये एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (ञ्जै) के मुख्यालय को निशाना बनाया। तुर्किये में एक बड़े आतंकी हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। इस हमले में हथियारबंद हमलावरों ने अंकारा के पास तुर्किये एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (ञ्जै) के मुख्यालय को निशाना बनाया। गृह मंत्रालय ने बताया कि इस आतंकी हमले में कुल 22 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है और उनका गहन उपचार किया जा रहा है। गृह मंत्री अली येर्लिकाया ने बताया कि कम से कम दो हमलावर मारे गए हैं। रूस के कजान में ब्रिक्स बैठक के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक के दौरान एर्दोआन ने कहा, ''हमारे चार लोग शहीद हुए हैं और 14 घायल हो गए हैं। मैं इस जघन्य आतंकवादी हमले की निंदा करता हूं।''हमले के समय तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोआन 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत कर रहे थे।

एर्दोगन ने इस हमले की निंदा की और इसे ष्जघन्य आतंकवादी हमलाष बताया, अल जजीरा ने रिपोर्ट किया। पूरा हमला सड़कों और ञ्जै मुख्यालय के ब्ब्ज्ट कैमरों में कैद हो गया, और हमले से कुछ मिनट पहले ही हथियारबंद बंदूकधारियों को सड़क से होते हुए दफ्तरों में घुसते हुए दिखाया गया। आतंकी हमले की क्लिप, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, में बुधवार को तुर्की में हुए विस्फोट और गोलीबारी भी दिखाई गई है, जिसमें 5 लोग मारे गए। वीडियो में एक हमलावर बंदूक लेकर मुख्यालय की पार्किंग में भागता हुआ दिखाई दे रहा है। तुर्की सरकार ने अभी तक हमलावरों की पहचान उजागर नहीं की है और किसी भी समूह ने इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। आतंकी हमले के एक अन्य वीडियो में दो हथियारबंद लोग सड़क के बीचों–बीच एक पीली कार से उतरते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिनके हाथों में असॉल्ट राइफलें हैं और वे वहां से गुजर रहे लोगों पर गोलियां चला रहे हैं। वहां से गुजर रहा एक व्यक्ति जमीन पर गिर जाता है, संभवतः गोलीबारी में घायल हो गया है। तुर्की मीडिया ने कहा कि एक महिला सहित तीन हमलावर एक टैक्सी में परिसर के प्रवेश द्वार पर पहुंचे। हमलावरों ने हमला करने के लिए हथियार लिया हुआ था। उन्होंने टैक्सी के पास में एक विस्फोटक उपकरण में विस्फोट किया, जिससे अफरा–तफरी मच गई और वे परिसर में घुस गए। डीएचए समाचार एजेंसी और अन्य मीडिया ने बताया कि तुर्की सुरक्षा बलों के घटनास्थल आने के बाद गोलियां चलने की कई आवाजें सुनी गईं। परिसर के ऊपर हेलीकॉप्टर उड़ते देखे गए। 'तूसास' नागरिक और सैन्य दोनों तरह के विमानों, मानव रहित हवाई यान और अन्य रक्षा उद्योग और अंतरिक्ष प्रणालियों को डिजाइन, निर्माण और संयोजन करता है। कहरमकजां जिले के मेयर सेलिम सिरपानोग्लुम ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि राजधानी अंकारा के बाहरी इलाके में स्थित कंपनी पर हमले से उत्पन्न स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया है, लेकिन वे अधिक जानकारी नहीं दे सके। यह स्पष्ट नहीं है कि इस हमले के पीछे कौन हो सकता है। कुर्दिश आतंकवादियों, इस्लामिक स्टेट समूह और वाम चरमपंथियों ने अतीत में देश में हमले किए हैं। हमले की सुरक्षा कैमरे से ली गई तस्वीरें टेलीविजन पर प्रसारित की गईं। इसमें सादे कपड़े पहना एक व्यक्ति एक बैग लिये हुए और एक असॉल्ट राइफल पकड़े हुए दिख रहा है। यूएवी ने तुर्किये को देश में और इराक में सीमापार कुर्दिश आतंकवादियों के खिलाफ उसकी लड़ाई में बढ़त दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उपराष्ट्रपति सेवडेट यिलमाज ने कहा कि हमले का लक्ष्य तुर्किये की ''रक्षा उद्योग में सफलता'' थी। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''यह ज्ञात होना चाहिए कि ये हमले रक्षा उद्योग के वीर कर्मचारियों को रोक नहीं पाएंगे।

हिजबुल्ला ने इजराइली हमले में शीर्ष सदस्य हाशिम सैफीद्दीन के मारे जाने की पुष्टि की

हिजबुल्लाह ने पूर्व प्रमुख हसन नसरल्लाह के चचेरे भाई और समूह के अगले नेता बनने वाले मौलवी हाशेम सफीद्दीन की मौत की पुष्टि की है, जो लगभग तीन सप्ताह पहले इजरायली हवाई हमले में मारे गए थे। हिजबुल्ला ने बुधवार को घोषणा की कि उसके शीर्ष सदस्यों में से एक हाशिम सैफीद्दीन इजराइली हवाई हमले में मारा गया। हाशिम सैफीद्दीन के पिछले महीने इजराइली हवाई हमले में मारे गए संगठन प्रमुख हसन नसरल्ला की जगह लेने की प्रबल संभावना थी। यह घोषणा इजराइल द्वारा इस बयान के एक दिन बाद की गई किइस महीने की शुरुआत में बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में उसके एक हमले में सैफीद्दीन मारा गया था। पिछले कई हफ्तों में इजराइली हमलों में हिजबुल्ला के कई शीर्ष सदस्य मारे गए हैं।हिजबुल्लाह ने पूर्व प्रमुख हसन नसरल्लाह के चचेरे भाई और समूह के अगले नेता बनने वाले मौलवी हाशेम सफीद्दीन की मौत की पुष्टि की है, जो लगभग तीन सप्ताह पहले इजरायली हवाई हमले में मारे गए थे। इजरायली सेना ने मंगलवार रात को बताया कि बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में एक हमले में सफीद्दीन को निशाना बनाया गया था।हिजबुल्लाह ने बुधवार को एक बयान जारी कर सफीद्दीन को ष्महान नेता और महान शहीदष बताते हुए शोक व्यक्त किया, जिन्होंने ष्सम्मानजनक जीवनष जिया। हालांकि, ईरान समर्थित आतंकवादी समूह ने नेता का नाम नहीं बताया। वह समूह की कार्यकारी परिषद के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे और दिवंगत महासचिव हसन नसरल्लाह के चचेरे भाई थे, जो 27 सितंबर को इजरायली हवाई हमले में मारे गए थे।नसरल्लाह की मौत के बाद, सफीद्दीन ने हिजबुल्लाह के भीतर एक प्रमुख नेतृत्व की भूमिका संभाली और उम्मीद की जा रही थी कि उन्हें औपचारिक रूप से अगले महासचिव के रूप में चुना जाएगा, हालांकि उनकी मृत्यु से पहले कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी।4 अक्टूबर को, इजराइल ने बेरूत के हवाई अड्डे के पास हवाई हमलों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसके दौरान हिजबुल्लाह के अधिकारियों ने सफीद्दीन से संपर्क खोने की सूचना दी। अमेरिकी मीडिया स्रोतों ने इजराइली अधिकारियों के हवाले से कहा कि वह बमबारी का लक्षित लक्ष्य था।इजराइल रक्षा बलों (प्क्ब्) ने मंगलवार को पुष्टि की कि सफीद्दीन अली हुसैन हाजिमा के साथ मारा गया था, जिसे उन्होंने हिजबुल्लाह के खुफिया मुख्यालय का कमांडर बताया। ईरान में धार्मिक अध्ययन करने के बाद, सफीद्दीन के ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स से पारिवारिक संबंध थेय उनके बेटे की शादी इराक में 2020 के अमेरिकी हवाई हमले में मारे गए प्रभावशाली ईरानी कमांडर जनरल कासिम सोलेमानी की बेटी से हुई थी। माना जाता है कि सफीद्दीन की मृत्यु के समय उनकी उम्र लगभग 60 वर्ष थी। हाल ही में बेरूत में दिए गए भाषण में, सफीदीन ने नेतृत्व उत्तराधिकार पर हिजबुल्लाह के दृष्टिकोण पर चर्चा करते हुए कहा, ष्हमारे प्रतिरोध में, जब कोई नेता शहीद होता है, तो दूसरा झंडा उठाता है और नए, निश्चित, मजबूत दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ता है। इजरायली सेना ने लगभग एक साल तक सीमा पार शत्रुता के बाद हिजबुल्लाह के खिलाफ अपने हमले को तेज कर दिया, जो गाजा में चल रहे युद्ध के कारण बढ़ गया था। इजरायली अधिकारियों ने कहा कि इसका उद्देश्य हिजबुल्लाह के रॉकेट, मिसाइल और ड्रोन हमलों से विस्थापित निवासियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना था।

संघर्ष का विनाशकारी प्रभाव पड़ा है, पिछले एक साल में लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा कम से कम 2,500 लेबनानी हताहतों और लगभग 12,000 घायलों की सूचना दी गई है। जवाब में, हिजबुल्लाह ने इजरायल पर हजारों रॉकेट और ड्रोन लॉन्च किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप उत्तरी इजरायल और कब्जे वाले गोलान हाइट्स में कम से कम 59 मौतें हुई हैं।

उत्तर कोरिया ने सियोल के राष्ट्रपति भवन परिसर में एक बार फिर कचरे से भरे गुब्बारे गिराए

राष्ट्रपति यून और उनकी पत्नी किम कियोन ही की आलोचना वाले पर्चे भी थे। समाचार पत्र में बताया गया कि सियोल के योंगसान जिले में ये पर्चे बिखरे हुए मिले थे और यहीं यून का राष्ट्रपति कार्यालय है।उत्तर कोरिया ने एक बार फिर दक्षिण कोरिया के सियोल स्थित राष्ट्रपति भवन परिसर में बृहस्पतिवार को कचरे से भरे गुब्बारे गिराए। दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।उत्तर कोरिया ने मई के अंत में दक्षिण कोरिया की ओर कचरे से भरे गुब्बारे भेजना शुरू किया था, जिसके बाद से उसने अब दूसरी बार इस तरह के गुब्बारे भेजे। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा ने बताया कि उत्तर कोरिया की ओर से राष्ट्रपति भवन परिसर में बृहस्पतिवार को कचरे से भरे गुब्बारे गिराए गए, हालांकि इनमें कोई खतरनाक वस्तु नहीं थी। यह तत्काल पता नहीं चल पाया कि उत्तर कोरियाई गुब्बारे के गिरने के समय राष्ट्रपति यून सुक–योल परिसर में मौजूद थे या नहीं।विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के पास खास स्थानों को निशाना बनाकर गुब्बारे गिराने के लिए संभवतः अत्याधुनिक तकनीक का अभाव है। दक्षिण कोरिया के 'डोंग–ए इल्बो' समाचार पत्र में बृहस्पतिवार को प्रकाशित खबर में बताया गया कि उत्तर कोरिया ने सियोल स्थित राष्ट्रपति भवन परिसर में कचरे से भरे गुब्बारे गिराए।गुब्बारे से गिराए गए कचरे के साथ राष्ट्रपति यून और उनकी पत्नी किम कियोन ही की आलोचना वाले पर्चे भी थे। समाचार पत्र में बताया गया कि सियोल के योंगसान जिले में ये पर्चे बिखरे हुए मिले थे और यहीं यून का राष्ट्रपति कार्यालय है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पुष्टि की कि उत्तर कोरिया ने अपने सैनिक रूस भेजे

सियोल । रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा है कि इस बात के सबूत हैं कि उत्तर कोरिया ने अपने सैनिक रूस भेजे हैं। इस बीच दक्षिण कोरिया के खुफिया प्रमुख ने सांसदों को बताया कि उत्तर कोरिया के तीन हजार सैनिक रूस में हैं, जिन्हें यूक्रेन के युद्धक्षेत्रों में तैनात किए जाने से पहले प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा है कि इस बात के सबूत हैं कि उत्तर कोरिया ने अपने सैनिक रूस भेजे हैं। इस बीच दक्षिण कोरिया के खुफिया प्रमुख ने सांसदों को बताया कि उत्तर कोरिया के तीन हजार सैनिक रूस में हैं, जिन्हें यूक्रेन के युद्धक्षेत्रों में तैनात किए जाने से पहले ड्रोन और अन्य उपकरणों के संचालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 'वाशिंगटन पोस्ट' समाचार पत्र द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो के अनुसार ऑस्टिन ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, ''वे वास्तव में क्या कर रहे हैं? यह देखना बाकी है। ये ऐसी चीजें हैं जिन्हें हमें सुलझाने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि यदि रूस की ओर से सेना यूक्रेन युद्ध में शामिल होती है, तो यह ''एक बहुत ही गंभीर मुद्दा'' होगा और इसका यूरोप और हिंद–प्रशांत क्षेत्र पर प्रभाव पड़ेगा। दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसी ने सबसे पहले यह रिपोर्ट सार्वजनिक की थी कि रूसी नौसेना पिछले सप्ताह उत्तर कोरिया के 1,500 विशेष सैनिकों को रूस ले गई है जबकि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि उनकी सरकार के पास खुफिया जानकारी है कि 10,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूसी सेना में शामिल होने के लिए तैयार किया जा रहा है। अमेरिका और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने पहले उत्तर कोरिया द्वारा सेना भेजे जाने की औपचारिक पुष्टि नहीं की थी लेकिन उन्होंने इस तरह के घटनाक्रम को लेकर खतरे की चेतावनी दी है। रूस और उत्तर कोरिया ने अब तक सैन्य गतिविधियों से इनकार किया है।

भारत को घेर रहे थे कनाडा–अमेरिका, एक दाँव पूरे पश्चिम को पड़ा भारी!

पश्चिमी देश शुरुआत से कहते आ रहे हैं कि ब्रिक्स को वेस्टर्न कंट्रीज के खिलाफ खड़ा किया है। लेकिन ब्रिक्स देश ये कहते हुए आए हैं कि भारत, चीन या रूस का मकसद वेस्टर्न वर्ल्ड के खिलाफ कोई भी लॉबी तैयार करने की नहीं है। अब तो पश्चिमी देशों को था ही नहीं।पश्चिमी देश शुरुआत से कहते आ रहे हैं कि ब्रिक्स को वेस्टर्न कंट्रीज के खिलाफ खड़ा किया है। लेकिन ब्रिक्स देश ये कहते हुए आए हैं कि भारत, चीन या रूस का मकसद वेस्टर्न वर्ल्ड के खिलाफ कोई भी लॉबी तैयार करने की नहीं है। अब इन सब के इतर विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने हाल ही में कहा था कि जी–7 हो सकता है तो ब्रिक्स क्यों नहीं। भारत और चीन के बीच का विवाद पांच साल से बढ़ता गया। किसी को ये उम्मीद नहीं थी कि इतनी जल्दी ये विवाद सुलझ जाएगा। यकीन इन सबमें सबसे ज्यादा फायदा किसका हो रहा था ये समझने की जरूरत है। भारत और चीन के बीच के विवाद की बात करें तो इससे सबसे ज्यादा फायदा पाकिस्तान का हुआ। पाकिस्तान को चीन के और करीब जाने का मौका मिल गया। सबसे ज्यादा नुकसान किसी को हुआ तो वो रूस था। चीन और भारत दोनों ही रूस के अहम व महत्वपूर्ण साझेदार हैं। ऐसे में रूस के लिए बहुत मुश्किल हो रहा था कि वो भारत व चीन के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाए। भारत और चीन एक पेज पर आने के लिए तैयार नहीं थे। इसलिए पुतिन ने सबसे पहले तय किया कि वो इस विवाद को सुलझाने में भूमिका निभाएंगे। लेकिन ये सब इतने गुपचुप तरीके से होगा इसका अंदाजा इन सब के इतर विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने हाल ही में कहा था कि जी–7 हो सकता है तो ब्रिक्स क्यों नहीं। अमेरिका समेत पूरा वेस्टर्न वर्ल्ड सकते में है। अंदाजा नहीं था कि जिस डिप्लोमेसी के तहत भारत को अपने करीब लाने की कोशिश अमेरिका कर रहा था। उसमें भारत के साथ रूस की पुरानी दोस्ती ज्यादा कारगर साबित हो जाएगी। अमेरिका भारत–चीन के बीच विवाद को चाहता था ये बात एक तरफ है और इस बात को अमेरिका ने कभी स्वीकार भी नहीं किया था। लेकिन अमेरिका को लेकर भारत चीन की भूमिका उसकी सोच पर सवाल खड़े करता है। वाशिंगटन की कई रिपोर्ट्स में कहा गया कि भारत और चीन कर बीच युद्ध होने वाला है। बल्कि भारत की तरफ से लद्दाख को लेकर जबतक ऐलान किया गया की बातचीत और समाधान निकल गया है तब भी अमेरिका में मौजूद एक्सपर्ट ये मानने के लिए तैयार नहीं हैं कि भारत और चीन के बीच विवाद कम होने वाला है।

भारतीय–अमेरिकी रिपब्लिकन नेताओं ने नीतिगत मुद्दों पर कमला हैरिस की निंदा की

वाशिंगटन । तीन भारतीय–अमेरिकी नेताओं बॉबी जिंदल, निक्की हेली और विवेक रामास्वामी ने डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की कथित रूप से गलत आव्रजन, आर्थिक और विदेश नीतियों की आलोचना की है। जिंदल का यह वीडियो विज्ञापन के तौर पर सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े तीन भारतीय–अमेरिकी नेताओं बॉबी जिंदल, निक्की हेली और विवेक रामास्वामी ने डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की कथित रूप से गलत आव्रजन, आर्थिक और विदेश नीतियों की आलोचना की है। लुइसियाना के पूर्व गवर्नर बॉबी जिंदल ने एक वीडियो में दावा किया कि हैरिस की चिकित्सा संबंधी 'मेडिकेयर' योजना से 1.2 करोड़ अवैध प्रवासियों को ''गोल्ड प्लेटेड'' स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलेगा। जिंदल का यह वीडियो विज्ञापन के तौर पर सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। राजनीतिक मामलों की एक कार्य समिति 'अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी इंस्टीट्यूट' द्वारा जारी वीडियो में जिंदल ने कहा, ''इससे अमेरिका में अवैध प्रवासियों की बाढ़ आ जाएगी।'' उन्होंने कहा, ''कृपया अपने परिवार और मित्रों को इस झूठ के झांसे में नहीं आने दें।'' जिंदल (53) 2008 से 2016 तक लुइसियाना के गवर्नर थे। 2016 में उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने का असफल प्रयास किया था। शुरू में चुनाव प्रचार और डोनाल्ड ट्रंप के अभियान से दूर रहने के बाद जिंदल अब पूर्व राष्ट्रपति को उनकी नीतियों पर समर्थन देने के लिए फिर से सक्रिय हो गए हैं।

'विकसित भारत' बनने के लिए बुनियादी ढांचे, निवेश, नवाचार, समावेशिता पर ध्यान केंद्रित–सीतारमण

सीतारमण ने छात्रों से कहा, '' जिस वर्ष हम ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मना रहे होंगे, अर्थात 2047 में. ... हम एक विकसित देश बनना चाहते हैं और बनने की आकांक्षा रखते हैं।''केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नरेन्द्र मोदी नीत सरकार चार प्रमुख क्षेत्रों... . बुनियादी ढांचा, निवेश, नवाचार तथा समावेशिता पर ध्यान केंद्रित कर रही है।उन्होंने पेन्सिल्वेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल के छात्रों के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही। वित्त मंत्री अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार की दोपहर यहां पहुंचीं। वह न्यूयॉर्क से वाशिंगटन डीसी तक कार में आईं। इस बीच वह पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय में रुकी थीं।सीतारमण ने छात्रों से कहा, '' जिस वर्ष हम ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मना रहे होंगे, अर्थात 2047 में.... हम एक विकसित देश बनना चाहते हैं और बनने की आकांक्षा रखते हैं।''वित्त मंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने चार प्रमुख क्षेत्रों बुनियादी ढांचा, निवेश, नवाचार और समावेशिता की

पहचान की है। उन्होंने साथ ही कहा, '' संविधान में सकारात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। आपको गरीबों का उत्थान करना होगा, आपको अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों का उत्थान करना होगा। यह संविधान में दी गई प्रतिबद्धता है।''मंत्री ने कहा कि इसके अलावा चार वर्गों.. .. किसानों, महिलाओं, युवाओं तथा गरीबों की जरूरतों को समझने और उसे पूरा करने की आवश्यकता है। उनके मुताबिक, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें संसाधनों तथा अवसरों तक पहुंच मिले।

रोहित शर्मा के नाम हुआ एक शर्मनाक रिकार्ड, सचिन तेंदुलकर की बराबरी की

रोहित शर्मा डक आउट हो गए। इसके साथ ही उन्होंने सचिन तेंदुलकर के एक शर्मनाक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। भारत के लिए सबसे ज्यादा शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में रोहित शर्मा और सचिन तेंदुलकर संयुक्त रूप से छठे पायदान पर हैं। भारत और न्यूजीलैंड दूसरे टेस्ट में रोहित शर्मा डक आउट हो गए। इसके साथ ही उन्होंने सचिन तेंदुलकर के एक शर्मनाक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। भारत के लिए सबसे ज्यादा शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में रोहित शर्मा और सचिन तेंदुलकर संयुक्त रूप से छठे पायदान पर हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर 34 बार बिना खाता खोले पवेलियन लौटे थे, रोहित शर्मा का ये भी न्यूजीलैंड के खिलाफ 34वां डक था। वहीं भारत के लिए सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले खिलाड़ी की बात करें तो, इस लिस्ट में 43 डक के साथ जहीर खान टॉप पर हैं। वहीं उनके अलावा इशांत शर्मा दूसरे ऐसे भारतीय हैं जो 40 या उससे ज्यादा बार 0 पर आउट हुए हैं। इशांत शर्मा के नाम भारत के लिए 40 डक का रिकॉर्ड है। भारत के लिए सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर और कोई नहीं बल्कि विराट कोहली हैं। जी हां, कोहली भारत के लिए खेले 38 मैचों में बिना खाता खोले आउट हुए हैं। हरभजन सिंह 37 डक के साथ चौथे नंबर पर कप्तान अनिल कुंबले 35 डक के साथ क्रमशरू चौथे और पांचवें पायदान पर हैं। रोहित शर्मा को न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान कप्तान टिम साउदी ने पवेलियन की राह दिखाई साउदी ने इंटरनेशनल क्रिकेट में ये 14वीं बार हिटमैन को आउट किया है। इतनी ही बार साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा भी रोहित शर्मा को आउट कर चुके हैं।

45 महीने बाद टेस्ट वापसी करते ही छा गए वाशिंगटन सुंदर, कीवी बल्लेबाजों को किया परास्त

वॉशिंगटन सुंदर को स्क्वॉड में शामिल कर लिया गया। हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा का ये मास्टरप्लान सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में हिट नजर आया है। वहीं वॉशिंगटन सुंदर ने जिस तरह से कीवी बैटर्स को परेशान किया, उसे देखकर समझ आ गया कि रोहित और गंभीर ने क्या सोचकर सुंदर की टीम में एंट्री कराई थी। भारत और न्यूजीलैंड तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच में जब टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा तो दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच के लिए वॉशिंगटन सुंदर को स्क्वॉड में शामिल कर लिया गया। हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा का ये मास्टरप्लान सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में हिट नजर आया है। वहीं वॉशिंगटन सुंदर ने जिस तरह से कीवी बैटर्स को परेशान किया, उसे देखकर समझ आ गया कि रोहित और गंभीर ने क्या सोचकर सुंदर की टीम में एंट्री कराई थी।सुंदर के कारण ही रचिन रविंद्र एक बार फिर बड़ी पारी खेलने की फिराक में लग रहे थे लेकिन 65 रनों के स्कोर पर सुंदर ने उनका आउट करके कीवी टीम के पिल्लर गिरा दिए। कीवी टीम के शुरुआती तीन विकेट आर अश्विन ने चटकाए जबकि इसके बाद के सातों विकेट संदुर के खाते में गए। सुंदर ने जिस तरह से पांच बैटर्स को इस दौरान बोल्ड कर दिया, वह दिखाता है कि उनकी बॉलिंग में इस दौरान कितनी ज्यादा सटीकता थी सुंदर ने 23.1 ओवर में 53 रन देकर सात विकेट चटकाए। इसमें रचिन, डेरेल मिचेल, टॉम ब्लंडल, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर, टिम साउदी, एजाज पटेल के नाम शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में ये पहला मौका है जब सुंदर ने पांच या इससे ज्यादा विकेट चटकाए हैं। ये वॉशिंगटन का पांचवां टेस्ट मैच है। उन्होंने अपना पिछला टेस्ट मैच 4 मार्च 2021 को खेला था।

वाशिंगटन सुंदर की गेंद पर रचिन रविंद्र हुए क्लीन बोल्ड, सीरीज की सबसे बेस्ट बाल

वहीं वॉशिंगटन सुंदर को पुणे टेस्ट के प्लेइंग 11 में जब कुलदीप यादव की जगह शामिल किया गया तो इसको लेकर सवाल खड़े हुए, लेकिन सुंदर ने अपनी गेंदबाजी से कई दिग्गजों का मुंह बंद करा दिया है। वॉशिंगटन ने पहली पारी में फाइव विकेट हॉली भी है। इस दौरान सुंदर ने जिस तरह से इनफॉर्म कीवी बैटर रचिन रविंद्र को आउट किया, उसने सबका दिल जीत लिया है। बेंगलुरु टेस्ट मैच गंवाने के बाद जब टीम इंडिया ने पुणे मैच के लिए वॉशिंगटन सुंदर को स्क्वॉड में शामिल किया गया। वहीं वॉशिंगटन सुंदर को पुणे टेस्ट के प्लेइंग 11 में जब कुलदीप यादव की जगह शामिल किया गया तो इसको लेकर सवाल खड़े हुए, लेकिन सुंदर ने अपनी गेंदबाजी से कई दिग्गजों का मुंह बंद करा दिया है। वॉशिंगटन ने पहली पारी में फाइव विकेट हॉली भी है। इस दौरान सुंदर ने जिस तरह से इनफॉर्म कीवी बैटर रचिन रविंद्र को आउट किया, उसने सबका दिल जीत लिया है। पहले टेस्ट की पहली पारी में शतक लगाने वाले भारतीय मूल के कीवी बैटर रचिन रविंद्र दूसरे टेस्ट में भी शतक लगाने की ओर बढ़ रहे थे लेकिन वॉशिंगटन सुंदर ने उनके आरमानों पर अपनी जादुई गेंद से पानी फेर दिया। रचिन 65 रन बनाकर आउट हुए। रचिन को आउट करने के बाद सुंदर की वो गेंद सीरीज की बेस्ट गेंद कहलाई जा रही है। रचिन जिस तरह से इस सीरीज में बैटिंग कर रहे थे, उन्हें किसी इसी तरह की बॉल से आउट किया जा सकता था। राउंड द विकेट आकर सुंदर ने जिस तरह से आउट किया जा सकता था। राउंड द विकेट आकर सुंदर ने जिस तरह से इस गेंद को फेंका रचिन कुछ समझ पाते इससे पहले वो क्लीन बोल्ड हो गए। रचिन गेंद खेलने के लिए आगे बढ़े लेकिन इसको रोक नहीं पाए और बोल्ड हो गए। कीवी टीम ने इस तरह से अपना चौथा विकेट गंवाया था और इसके बाद सुंदर ने एक के बाद एक टॉम ब्लंडेल, डेरेल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स और टिम साउदी को पवेलियन भेज दिया।

बाबर आजम के समर्थन में उतरा ये पाकिस्तानी दिग्गज, पीसीबी पर साधा निशाना

इकबाल कासिम ने मुल्तान में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में हार के बाद पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को टीम से बाहर करने के पाकिस्तान क्रिकेट के फैसले पर अपनी निराशा जाहिर की है। इकबाल कासिम ने शीर्ष प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के साथ पीसीबी के व्यवहार के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। पाकिस्तान के पूर्व मुख्य चयनकर्ता इकबाल कासिम ने मुल्तान में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में हार के बाद पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को टीम से बाहर करने के पाकिस्तान क्रिकेट के फैसले पर अपनी निराशा जाहिर की है। इकबाल कासिम ने शीर्ष प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के साथ पीसीबी के व्यवहार के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। इकबाल कासिम के हवाले से क्रिकेट पाकिस्तान ने लिखा, हमारी मानसिकता ऐसी हो गई है कि जो भी शीर्ष प्रदर्शन करता है उसे कप्तान बना दिया जाता है। लेकिन उस क्रिकेटर का बुरा दौर आता है, तो उसे दूध से मक्खी की तरह दिया जाता है। हम बाबर आजम को शतक और अर्धशतक बनाते देखने के आदी हो गए हैं। यहां तक कि उनकी खराब पारी भी 30–35 रन के आसपास होती है, जबकि अन्य बल्लेबाज उस तक पहुंचने के लिए संघर्ष करते हैं। बाबर के लिए मानदंड इतने ऊंचे क्यों रखे गए हैं कि अगर वह 100 रन बनाता है, तो वह टीम में बना रहेगा। उसे हर मैच में 100 रन बनाए होंगे? पूर्व क्रिकेटर ने कठिन समय के दौरान खिलाड़ियों का समर्थन करने के महत्व पर जोर दिया। इकबाल कासिम ने कहा, जहीर अब्बास समेत हर महान क्रिकेटर ने मुश्किल समय का सामना किया है। ऐसे समय में हमें उनका समर्थन करने और उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। बाबर आजम का स्तर इतना ऊंचा क्यों है कि सिर्फ शतक ही उन्हें टीम में रखता है? आप माजिद खान, इमरान खान या जावेद मियांदाद जैसे सुपरस्टार के बिना टीम नहीं बना सकते। इकबाल कासिम ने टीम में बाबर के योगदान के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, मेरी निजी राय है कि बाबर ने कप्तान के रूप में काम किया है। एक अच्छे पद पर पहुंचा है और दुनिया में नंबर–1 रैंक वाला शीर्ष प्रदर्शनकर्ता रहा है। भारत, इंग्लैंड और पाकिस्तान में उसके अनगिनत फैंस हैं। उसे समर्थन की जरूरत थी। हमें उसे खिलाना चाहिए था, भले ही आपने उसे कप्तानी से हटा दिया हो। एक खिलाड़ी के तौर पर वह टीम में स्थान का हकदार है। अगर आप कहते हैं कि वह एक खिलाड़ी के तौर पर प्लेइंग इलेवन में जगह का हकदार नहीं है, तो ये अनुचित है। टीम के गेंदबाजी आक्रमण पर चर्चा करते हुए इकबाल कासिम ने युवा गेंदबाजों शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के सामने आने वाली चुनौतियों को स्वीकार किया। उन्हें पहले टेस्ट में हार के बाद टीम से बाहर कर दिया गया था। इकबाल कासिम ने कहा कि, वे थके हुए लग रहे हैं। उनकी गति कम हो गई है और वे विकेट लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्हें आराम देना सही फैसला था।

साउथ अफ्रीका की रिकार्ड जीत, डब्ल्यूटीस फाइनल की रेस में लगाई लंबी छलांग

दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस में लंबी छलांग लगाई है। अफ्रीकी टीम ने बांग्लादेश को पहले टेस्ट में 3 विकेट से हराया। मेजबान बांग्लादेश ने मेहमान टीम को जीत के लिए 106 रन का लक्ष्य दिया था, जो दक्षिण अफ्रीका ने आसानी से हासिल कर लिया। इसके साथ ही उसने 2 मैचों की सीरीज में 1–0 की अजेय बढ़त बना ली है। दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश में पहला टेस्ट मैच जीतकर डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस में लंबी छलांग लगाई है। अफ्रीकी टीम ने बांग्लादेश को पहले टेस्ट में 3 विकेट से हराया। मेजबान बांग्लादेश ने मेहमान टीम को जीत के लिए 106 रन का लक्ष्य दिया था, जो दक्षिण अफ्रीका ने आसानी से हासिल कर लिया। इसके साथ ही उसने 2 मैचों की सीरीज में 1–0 की अजेय बढ़त बना ली है। दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच मीरपुर में खेला गया। दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को पहली पारी में 106 रन समेटा। इसके बाद उसने अपनी पहली पारी में 308 रन बनाए। इस तह उसे 202 रन की लीड मिली। बांग्लादेश ने इसके बाद दूसरी पारी में सुधारा प्रदर्शन किया। उसने मेहदी हसन मिराज (97) की बदौलत दूसरी पारी में 307 रन बना, लेकिन ये ऐसा स्कोर नहीं था कि दक्षिण अफ्रीका को तंग किया जा सके। दक्षिण अफ्रीका का एशियाई देशों में चौथी पारी में बैटिंग का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। उसकी छवि भी चोकर्स की रही है। ऐसे में बांग्लादेश के फैंस उम्मीद कर रहे थे कि उनकी टीम शायद कोई कमाल करे। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने इस बार उसे कोई मौका नहीं दिया। उसने 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। ये सिर्फ तीसरा मौका है जब दक्षिण अफ्रीका ने एशियन पिचों पर 100 रन से बड़ा लक्ष्य हासिल किया है। उसने इससे पहले 2008 में बांग्लादेश के खिलाफ ही मीरपुर में 205 रन का लक्ष्य हासिल किया था। दक्षिण अफ्रीका की टीम को इस जीत से 12 अंक का फायदा हुआ है। अब डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में 40 अंक और 47.62 विनिंग परसेंट हैं। अब वह पॉइंट टेबल में चौथे नंबर पर है। दक्षिण अफ्रीका इस मैच से पहले 38.89 विनिंग परसेंट के साथ छठे नंबर पर था। अफ्रीकी टीम ने इस जीत के बाद न्यूजीलैंड और इंग्लैंड को पीछे छोड़ दिया है।

आर अश्विन ने नाथन लियोन को छोड़ा पीछे, टेस्ट में 500 से ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

रविचंद्रन अश्विन ने एक निजी कीर्तिमान अपने नाम किया है। दरअसल, वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 7वें नंबर पर पहुंच गए। रविचंद्रन अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर नाथन लियोन को पीछे छोड़ा। अश्विन के अब टेस्ट क्रिकेट में 531 विकेट हो गए हैं। पुणे न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने एक निजी कीर्तिमान अपने नाम किया है। दरअसल, वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 7वें नंबर पर पहुंच गए। रविचंद्रन अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर नाथन लियोन को पीछे छोड़ा। अश्विन के अब टेस्ट क्रिकेट में 531 विकेट हो गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में अब तक 9 गेंदबाज ही 500 या उससे ज्यादा विकेट ले पाए हैं। अश्विन ने भारत और न्यूजीलैंड मैच शुरू होने से पहले सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले बॉलर्स की लिस्ट में सातवें नंबर पर थे। पुणे में खेले जा रहे टेस्ट मैच से पहले उनके नाम 528 विकेट थे। टॉम लैथम, विल यंग, डेवोन कॉनवे को आउट र उन्होंने अपने विकेटों की संख्या 531 पहुंचा दी। नाथन लायन के 530 विकेट ही हैं। लंच ब्रेक केबाद डेविड कॉनवे को आउट करते ही अश्विन का नाम सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले बॉलर्स की लिस्ट में छठे नंबर पर आ गया है। पहले लायन छठे और अश्विन सातवें नंबर पर थे। अब लायन सातवें नंबर पर हैं।

चाय और काफी पीने से हार्ट अटैक का खतरा होता है कम, रिसर्च में हुआ बड़ा खुलासा

चाय–कॉफी को लेकर कई सारे मिथक सामने आते हैं, जिसमें कई लोगों का मानना यह होता है कि चाय कॉफी का सेवन करने से सेहत पर बुरे प्रभाव पड़ते हैं, इसलिए इसका सेवन नहीं करना चाहिए. लेकिन हाल ही में हुई एक रिसर्च में इस बात का खुलासा हुआ है कि अगर नियमित मात्रा में सही तरीके से चाय (ञ्जदगड्ड) और कॉफी का सेवन किया जाए, तो इससे सेहत पर पॉजिटिव इफेक्ट भी पड़ते हैं और इतना ही नहीं इससे हार्ट अटैक का खतरा भी कम होता है. तो चलिए हम आपको बताते हैं कि हार्ट हेल्थ को दुरुस्त रखने के लिए आपको किस तरह से चाय या कॉफी का सेवन करना चाहिए.

हार्ट अटैक के खतरे को कम करें चाय कॉफीहाल ही में हुई एक रिसर्च के अनुसार, जो लोग नियमित रूप से निर्धारित मात्रा में चाय या कॉफी का सेवन करते हैं, उनमें हार्ट अटैक का खतरा कम हो सकता है. दरअसल, कॉफी में मौजूद कैफीन और अन्य नेचुरल यौगिक दिल की धमनियों में सुधार कर सकते हैं और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. इससे ब्लड फ्लो भी बेहतर होता है और हार्ट अटैक का खतरा कम हो सकता है.

दूसरी और चाय में फ्लेवोनॉयड्स और पॉलीफेनोल्स जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो सूजन को कम करते हैं और हार्ट हेल्थ को बढ़ावा देते हैं. यह हार्ट अटैक के खतरे को कम करने में भी मदद कर सकते हैं.

चाय और कॉफी अगर लिमिटेड मात्रा में पी जाए, तो यह दिल के लिए फायदेमंद हो सकती है, लेकिन अगर ज्यादा मात्रा में इसका सेवन किया जाए तो इसका नेगेटिव असर भी बॉडी पर पड़ता है. आप दिन में 1 से 2 या 3 कप चाय या कॉफी का सेवन कर सकते हैं. कोशिश करें कि बिना चीनी वाली चाय कॉफी पिएं या ब्लैक टी ब्लैक कॉफी का सेवन करें.रिसर्च में यह भी कहा गया है कि केवल चाय या कॉफी का सेवन करने से ही हार्ट अटैक से नहीं बचा जा सकता है, इसके साथ हेल्दी डाइट, एक्सरसाइज और स्ट्रेस मैनेजमेंट भी बहुत जरूरी है.

मार्निंग अलार्म से उठना है खतरनाक, बढ़ सकती है बीपी, स्ट्रोक–हार्ट अटैक का खतरा

क्या सुबह सही टाइम पर उठने के लिए आप भी अलार्म लगाकर सोते हैं. हर 5 मिनट पर आपका मॉर्निंग अलार्म बजता है. अगर ऐसा है तो सावधान हो जाइए, क्योंकि इससे हाई ब्लड प्रेशर का खतरा है. इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का भी जोखिम है.स्लीप एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सुबह अलार्म सेट करना सेहत के लिए कई परेशानियां खड़ी कर सकता है. इससे दिनभर सुस्ती छाई रहती है और थकान महसूस हो सकता है. सुबह का अलार्म दिमाग पर भी बुरा असर डालता है और इससे मेंटल हेल्थ प्रभावित हो सकती है. नींद डिस्टर्ब होने के कारण भी कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं.

अलार्म से उठना बना सकता है ब्लड प्रेशर का मरीज

ताजा रिसर्च में पाया गया है कि सुबह अलार्म की आवाज से उठने वालों को ब्लड प्रेशर का खतरा ज्यादा होता है. इससे स्ट्रोक और हार्ट की बीमारियां भी हो सकती हैं. रिसर्च के मुताबिक, अलार्म लगाकर उठने वालों में हाई बीपी का रिस्क 74 प्रतिशत तक ज्यादा होता है.यह रिसर्च 32 लोगों पर किया गया. इस दौरान पार्टिसिपेंट्स को स्मार्टवॉच के साथ फिंगर ब्लड प्रेशर कफ पहनाए गए थे. उन्हें कुछ दिनों तक बिना अलार्म उठने और कुछ दिनों में 5 घंटे की नींद के बाद अलार्म से उठने को कहा गया. रिसर्च में पाया गया कि अलार्म क्लॉक की आवाज से जबरदस्ती उठने वालों में ब्लड प्रेशर काफी ज्यादा था.अलार्म और हाई ब्लड प्रेशर का क्या है कनेक्शनरिसर्च में पाया कि अगर किसी सोते हुए इंसान को जबरदस्ती उठाया जाए तो उसका ब्लड प्रेशर बढ़ता है. अलार्म क्लॉक भी ऐसा ही करता है, क्योंकि इसकी आवाज सुनकर लोग जागने की कोशिश करते हैं. दरअसल, अलार्म बजने पर शरीर जो प्रतिक्रिया करता है, उससे बीपी बढ़ती है, जो सुबह–सुबह स्ट्रोक और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ाता है. हाई बीपी से होने वाली समस्याएंकम घंटे की नींद यानी अनिद्रादिमाग पर तनाव बढ़ता है, स्ट्रेस होनाथकान, सांस लेने में तकलीफगर्दन में अकड़न, नाक से खून आनासिरदर्दक्या करें, क्या नहींइस रिसर्च में ये भी पाया गया है

कि अगर आप सुबह–सुबह किसी अच्छी आवाज को सुनकर उठते हैं तो वह आपको हेल्दी बनाता है. रिसर्च बताता है कि बिना अलार्म के उठना सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है. हर किसी को ऐसी ही आदत डालनी चाहिए.

अमरन का ट्रेलर आउट, देशभक्ति और प्यार के बीच रोलर कोस्टर राइड है साईं पल्लवी-शिवकार्तिकेयन की फिल्म

राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित एक्शन फिल्म अमरन का मोस्ट अवेटेड रिलीज किया गया था जो दर्शकों को एक इमोशनल और देशभक्ति से भरपूर कहानी पेश करता है. राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल द्वारा निर्मित, फिल्म में मेजर मुकुंद वरदराजन का रोल शिवकार्तिकेयन प्ले कर रहे हैं साथ ही साईं पल्लवी, भुवन अरोड़ा, राहुल बोस जैसे शानदार कलाकार सपोर्टिंग रोल में हैं.अमरन शिव अरूर और राहुल सिंह की बुक सीरीज इंडियाज मोस्ट फियरलेसरू टू स्टोरीज ऑफ मॉडर्न मिलिट्री का रूपांतरण है, जो मेजर वरदराजन की बहादुरी पर केंद्रित है. ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन सीन और इमोशनल पल है जो देशभक्ति और प्यार के बीच चलने वाले उतार चढ़ावों को दिखाता है. अमरन की स्टोरी वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित है

इसीलिए फिल्म को लेकर काफी एक्साइटमेंट बढ़ गई है. फिल्म में साईं पल्लवी मेजर मुकुंद वरदराजन की पत्नी की भूमिका में है जिनका नाम इंदु रेबेका वर्गीज है. फिल्म में दिखाया गया है कि एक आर्मी ऑफिस की जिंदगी कैसी होती है. किस तरह उनका परिवार उनके साथ रहना चाहता है और उनके बच्चे हमेशा उन्हें मिस करते हैं. देशभक्ति के साथ ही कैसे एक सोल्जर अपने परिवार का ध्यान रखता है इन सब इमोशन के ताने बाने से बुनी गई है अमरन. साईं पल्लवी और शिवकार्तियन की अमरन दिवाली के मौके पर 31 अक्टूबर को रिलीज होने जा रही है. इस फिल्म में जीवी प्रकाश कुमार ने संगीत दिया है. और इसे राजकुमार पेरियासामी ने निर्देशित किया है. फिल्म में साईं पल्लवी और शिवकार्तिकेयन के अलावा भुवन अरोड़ा, राहुल बोस जैसे शानदार कलाकार सपोर्टिंग रोल में हैं.

द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2 में आएंगी कृति सैनन और काजोल, प्रोमो वीडियो जारी

अभिनेता और कॉमेडियन कपिल शर्मा के कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो के दूसरे सीजन को भी दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।इस सीजन के अब तक 5 एपिसोड्स प्रसारित हो चुके हैं, जिन्हें आप ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।अब द ग्रेट इंडियन कपिल शो का नया प्रोमो वीडियो सामने आ गया है। शो के छठे एपिसोड में आगामी फिल्म दो पत्ती की स्टार कास्ट पहुंचने वाली है। द ग्रेट इंडियन कपिल शो के आगामी एपिसोड में कृति सैनन और काजोल नजर आएंगी। इस दौरान निर्देशक कनिका ढिल्लों और अभिनेत्री शाहीर शेख भी उनका साथ देंगे। इस एपिसोड को आप 26 अक्टूबर को रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

प्रभास का फैंस को रिटर्न गिफ्ट, द राजा साब का मोशन पोस्टर आउट, डबल रोल में धमाल मचाएंगे रिबेल स्टार

साउथ सुपरस्टार प्रभास अपने 45 वां बर्थडे के मौके पर उन्होंने अपने फैंस को जबरदस्त रिटर्न गिफ्ट दिया है. प्रभास ने अपनी अपकमिंग फिल्म द राजा साब का मोशन पोस्टर रिलीज किया है. हाल ही में मेकर्स ने अनाउंस किया था कि वे प्रभास के बर्थडे पर कुछ खास लाने वाले हैं. जिसके बाद फैंस एक्साइटेड हो गए और अब फाइनली प्रभास ने फैंस का इंतजार खत्म कर दिया है. प्रभास की द राजा साब के मेकर्स ने मोस्ट अवेटेड फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है. इसमें प्रभास का अलग और नया अवतार देखने को मिल रहा है. पोस्टर में प्रभास एक सिंहासन पर बैठे हुए हैं. उनका लुक अब तक की उनकी फिल्मों से बिल्कुल अलग और नया है. मेकर्स ने पोस्टर रिलीज करते हुए लिखा, रॉयल बाय ब्लड, रिबेल बाय चॉइस, वो उसे लेकर रहेगा जो हमेशा से उसका था. जैसे ही प्रभास का यह पोस्टर रिलीज किया गया फैंस ने कमेंट करना शुरू कर दिया. सबसे ज्यादा फैंस ने इस बात पर ध्यान दिया कि क्या इस फिल्म में प्रभास डबल रोल में होंगे. एक यूजर ने कमेंट किया, डबल रोल वाह क्या बात है. एक ने लिखा, क्या प्रभास दादा और पोते का रोल प्ले कर रहे हैं. एक फैन ने कमेंट किया, क्या लुक है रिबेल स्टार आलवेज

रॉक. एक ने लिखा, हैप्पी बर्थडे प्रभास, क्या गिफ्ट दिया है आपने.डायरेक्टर मारुति ने एक्स पर बताया था कि वे जल्द ही द राजा साब से कुछ स्पेशल शेयर करने वाले हैं. प्रभास गारु का बर्थडे आ रहा है. होर्डिंग, फ्लेक्स, बैनर सब दिखा दिया. लेकिन काफी टाइम हो गया कुछ नया अपडेट नहीं है इस पर डायरेक्टर मारुति ने कहा- हां जल्द ही कुछ डार्लिंग की तरफ से डार्लिंग के फैंस के लिए कुछ आने वाला है. हमारे साथ बने रहें.वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रभास की पिछली रिलीज फिल्म कल्कि 2898 एडी थी. जिसमें उन्होंने अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन जैसे सितारों के साथ स्क्रीन शेयर की थी. उनकी पाइप लाइन में स्पिरिट, कन्नप्पा, प्रभास हनु और सालार पार्ट 2 जैसी फिल्में हैं

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 35 करोड़ के हुई पार, 12वें दिन भी कमाए करोड़ रुपये

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 12 दिन पूरे हो गए हैं और यह फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरसती नजर आ रही हैं।हर गुजरते दिन के साथ इस फिल्म का दैनिक कमाई लगातार घटती जा रही है।आइए जानते हैं विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने रिलीज के 12वें दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने अपनी रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 1.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 35.50 करोड़ रुपये हो गया है।फिल्म का निर्देशन राज शांडिल्य ने किया है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है, वहीं भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं।फिल्म को 30 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कहानी विक्की (राजकुमार) और विद्या (तृप्ति) पर आधारित है, जो अपनी शादी के बाद पहली रात को यादगार बनाने के लिए वीडियो बनाते हैं, लेकिन वह वीडियो खो जाता है और विक्की, विद्या से सच छिपाता है, जिसके बाद विद्या सोचती है कि उसके पति का अफेयर चल रहा है।इस फिल्म में विजय राज, मल्लिका शेरावत और शहनाज गिल जैसे सितारे भी नजर आ रहे हैं।

एक्टिंग में ही नहीं बेहतरीन आवाज में भी माहिर है टीवी की देसी गर्ल समृद्धि शुक्ला

टीवी जगत में कई एक्ट्रेस ऐसी भी है जो सिर्फ अपनी दमदार एक्टिंग ही नहीं बल्कि अपने स्पेशल टैलेंट्स के लिए भी लोगों के बीच मशहूर हैं। उन्हीं में से एक हैं टीवी की देसी गर्ल के नाम से फेमस समृद्धि शुक्ला, जिन्हें अपनी बेहतरीन आवाज के चलते जबरदस्त नेम फेम मिला है। समृद्धि शुक्ला भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री ही नहीं बल्कि वॉयस ओवर आर्टिस्ट भी हैं। उन्होंने ब्रह्मास्त्र फिल्म के ओटीटी वर्जन के लिए आलिया भट्ट के लिए अपनी आवाज दी थी। इतना ही नहीं वह रणबीर कपूर की सुपरहिट फिल्म एनिमल के लिए भी काम कर चुकी हैं। टीवी एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला इन दिनों ये रिश्ता क्या कहलाता है की अभिरा बन दर्शकों के बीच छाई हुई हैं।

टीवी एक्ट्रेस बनाने के पहले समृद्धि शुक्ला एक पॉपुलर वॉयस ओवर आर्टिस्ट बन इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। वहीं इन दिनों अपनी वह अपनी शानदार एक्टिंग के लिए लाइमलाइट में बनी हुई हैं।

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल के इंग्लिश वर्जन में तृप्ति डिमरी को जिसने अपनी आवाज दी है वह कोई और नहीं बल्कि समृद्धि शुक्ला ही हैं। दरअसल, ओटीटी पर मौजूद एनिमल के इंग्लिश वर्जन में तृप्ति डिमरी को समृद्धि शुक्ला ने अपनी आवाज दी है। इस बात का खुलासा एक्ट्रेस ने खुद किया था। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करते हुए बताया था, नेटफ्लिक्स पर एनिमल के इंग्लिश वर्जन में मेरी आवाज सुनाने के लिए हो जाए तैयार, भाभी 2 तृप्ति डिमरी के किरदार में पेश है समृद्धि की आवाज...

एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला को उनके फैंस उन्हें टीवी की देसी गर्ल भी कहते हैं क्योंकि वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी देसी फोटोज और वीडियोज भी शेयर करती हैं। वह सोनल कौशल के बाद डोरेमोन में अपनी डोरेमोन और लिटिल भीम को आवाज देने के लिए भी जानी जाती हैं। वह सावी की सवारी में सावी गोयल डालमिया और ये रिश्ता क्या कहलाता है में एडवोकेट अभिरा शर्मा पोद्दार की भूमिका निभाने के लिए भी मशहूर हैं। एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग से पहले आवाज का भी जादू दिखा चुकी हैं।

वहीं सोशल मीडिया पर अनीता राज भी समृद्धि शुक्ला कई आए दिन तारीफ करती रहती हैं जो खुद फिल्मों के बाद अब टीवी एक्ट्रेस बन छाई हुई हैं।

विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट को मिली नई रिलीज तारीख, नए पोस्टर के साथ तारीख का हुआ एलान

विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी फिल्म सेक्टर 36 की वजह से चर्चा में हैं। हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस फिल्म में उनके किरदार ने लोगों को हैरान करके रख दिया है। इस फिल्म के बाद वह जल्द ही द साबरमती रिपोर्ट नाम की फिल्म में नजर आने वाले हैं। हाल ही में इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। कई बार स्थिगित होने के बाद अब आखिरकार द साबरमती रिपोर्ट को नई रिलीज डेट मिल गई है। गुरुवार को विक्रांत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का एक नया पोस्टर जारी करते हुए रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया। इस पोस्ट के मुताबिक

उनकी यह फिल्म 15 नवंबर को सिनमाघरों में दस्तक देगी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 15 नवंबर को ज्वलंत सच्चाई सामने आ जाएगी. ..देखते रहिए। इस फिल्म को पहले मई 2024 में रिलीज किया जाना था और फिर इसे 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज करने की घोषणा की गई। हालांकि, दोनों ही तारीखों पर यह फिल्म पर्दे पर नहीं आ सकी। फिल्म में विक्रांत मैसी के अलावा राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा भी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में साबरमती एक्सप्रेस पर हुई दुखद घटना के बारे में अज्ञात तथ्यों दिखाने की कोशिश की गई है । फैंस को इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार है। फिल्म में विक्रांत एक स्थानीय पत्रकार समर कुमार की भूमिका निभाएंगे, जो राशि खन्ना द्वारा अभिनीत एक साथी रिपोर्टर और रिद्धि डोगरा द्वारा अभिनीत एक वरिष्ठ एंकर के साथ मिलकर काम करता है। रंजन चंदेल के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन ने किया है।

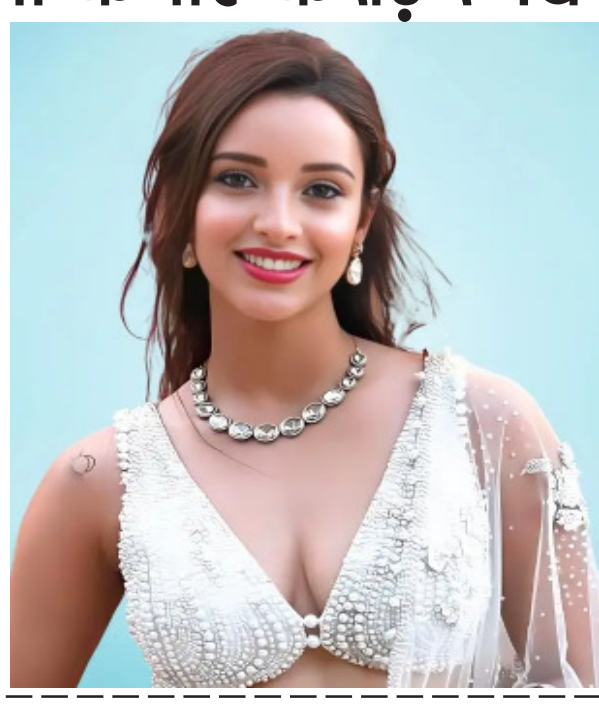

भोजपुरी स्टार मोनालिसा ने स्विमसूट पहन स्विमिंग पूल में लगाई आग, एक्ट्रेस की हाटनेस ने बढ़ाया तापमान

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी बोल्ड और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। उनकी इन फोटोज को देखकर फैंस उनकी तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं।

मोनालिसा अक्सर अपनी बोल्ड अदाओं से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनके हॉटनेस ने फैंस का दिल जीत लिया है. मोनालिसा ने ब्लू प्रिंटेड स्विमसूट पहनकर स्विमिंग पूल के किनारे बैठकर पोज दिए, जिसमें उनका ग्लैमरस अंदाज देखते ही बन रहा है.खुले बाल और स्विमिंग पूल के किनारे बैठी मोनालिसा की तस्वीरों ने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है.

भोजपुरी इंडस्ट्री से टीवी तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा इन दिनों काफी पॉपुलर हो चुकी हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है।

बताते चलें कि एक्ट्रेस मोनालिसा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक लुक को देखकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

मोनालिसा सोशल मीडिया लवर हैं और एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का कॉन्फिडेंस और स्टाइल दोनों ही काबिले तारीफ है. जैसे ही मोनालिसा ने ये तस्वीरें पोस्ट कीं, फैंस की ओर से लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई.

बाक्स आफिस पर आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा की हालत पस्त, 12वें दिन जुटाए इतने रुपये

आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा से दर्शकों को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन यह दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतरी। यही वजह है कि पहले ही दिन से फिल्म टिकट खिड़की पर संघर्ष कर रही हैं।पिछले कुछ दिनों से इस फिल्म की दैनिक कमाई में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जो लाखों में सिमट गई है।अब जिगरा की कमाई के 12वें दिन का आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, जिगरा ने अपनी रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 60 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 28.40 करोड़ रुपये हो गया है।इस फिल्म में आलिया न सिर्फ अभिनय कर रही हैं, बल्कि वह फिल्म की सह-निर्माता भी हैं। उन्होंने

जाने-माने निर्देशक और निर्माता करण जौहर के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण किया है।फिल्म के निर्देशन की कमान वासन बाला ने संभाली है। एक्शन से भरपूर फिल्म जिगरा में आलिया के साथ अभिनेता वेदांग रैना मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है।फिल्म में आलिया ने वेदांग की बड़ी बहन का किरदार निभाया है, जो अपने भाई को हर मुसीबत से बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।जिगरा का बजट 80 करोड़ रुपये बताया जा रहा है और यह अपनी लागत का आधा पैसा भी नहीं कमा सकी है।

बला की खूबसूरत है श्रीदेवी की तीसरी बेटी, सबसे ज्यादा पैसे पाने वाली पाकिस्तानी एक्ट्रेस में से एक, मां के निधन पर हो गयी थी बदहवास फिर.

कैसे बना श्रीदेवी और सजल अली के बीच मां बेटी का रिश्तारू एक्ट्रेस सजल अली पाकिस्तान की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने बेहतरीन अभिनय कौशल से लाखों दिलों पर राज किया है। बेहतरीन अभिनय कौशल से लाखों दिलों पर राज किया है। पाकिस्तानी अभिनेताओं ने अपने दमदार अभिनय और बेहतरीन अभिनय कौशल से लाखों दिलों पर राज किया है। भारत से पाकिस्तानी एक्ट्रेस का काफी ज्यादा कनेक्शन रहा हैं। माहिरा खान, सबा कमर, फवाद खान जैसे कई सितारें हैं जो भारतीय फिल्मों में काम कर चुके हैं और भारतीय जनता ने उन्हें काफी पसंद भी किया है। आज हम आपको श्रीदेवी की तीसरी बेटी के बारे में में बात करने जा रहे हैं जो इस समय पाकिस्तान की टॉप एक्ट्रेस में से एक हैं। एक्ट्रेस सजल अली (रंस ।सप) पाकिस्तान की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने बेहतरीन अभिनय कौशल से लाखों दिलों पर राज किया है। बेहतरीन अभिनय कौशल से लाखों दिलों पर राज किया है।अभिनेत्री श्रीदेवी और अदनान सिद्दीकी के साथ 2017 की मॉम से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। उन्हें श्रीदेवी की तीसरी बेटी के रूप में जाना जाता है। मॉम के सेट पर, श्रीदेवी और सजल का रिश्ता हर बीतते दिन के साथ बढ़ता गया और उनकी केमिस्ट्री आपको उनकी अद्भुत माँ-बेटी के रिश्ते पर विश्वास दिलाएगी।श्रीदेवी दो बेटियों, जान्हवी कपूर और खुशी कपूर की माँ हैं। उन्होंने एक मीडिया इवेंट में अपनी तीसरी संतान का परिचय कराया था। मॉम में सजल ने न केवल उनकी ऑन-स्क्रीन बेटी का किरदार निभाया, बल्कि श्रीदेवी ने उन्हें अपनी तीसरी बेटी बताया। उस समय 53 वर्षीय श्रीदेवी 23 वर्षीय सजल को बहुत पसंद करती थीं और फिल्म प्रमोशन के दौरान दिवंगत अभिनेत्री ने कहा, श्सजल मेरी तीसरी संतान की तरह है। अब, मुझे लगता है कि मेरी एक और बेटी है।ल ाहौर में 1994 में पैदा हुई सजल ने एक इंटरव्यू में कहा, श्इसके बाद जो कुछ भी हुआ, वह अभी भी धुंधला है। जिस दिन मेरी माँ की मृत्यु हुई,

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर द्वारा जिला कारागार सिद्धार्थनगर का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

सम्बन्धित को दिये गये आवश्यक दिशा निर्देश।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–
जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर द्वारा जिला कारागार सिद्धार्थनगर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक व पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहें बैरको का तथा बन्दियों का गहन निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान बैरकों मे किसी प्रकार की आपत्तिजनक वस्तु प्राप्त नही हुई जेल अधीक्षक द्वारा बताया गया कि नियमित रूप से उनके व जेल स्टाफ द्वारा चेकिंग की जाती है जिला कारागार सिद्धार्थनगर में निरीक्षण के समय सभी व्यवस्थायें सन्तोष जनक पायी गयी पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से कारागार का निरीक्षण करते रहे व शातिर किस्म के बन्दियों पर विशेष सतर्क दृष्टि रखो एवं आवश्यकतानुसार समय–समय पर कारागार मे निरूद्ध बन्दियों की गतिविधियों के सम्बन्ध मे जानकारी देते रहें ।

जिला कारागार में निरुद्ध बंदी की इलाज के दौरान हुई मृत्यु में बयान दर्ज करने के लिए संदेश

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला कारागार सिद्धार्थनगर में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी जाकिर पुत्र अब्दुल्लाह उम्र लगभग 51 वर्ष निवासी बहुती थाना गोल्हौरा जनपद सिद्धार्थनगर की दिनांक 24.09.2024 को उपचार के दौरान के०जी०एम०यू०, लखनऊ में हुई मृत्यु की मजिस्ट्रीयल जॉच के सम्बन्ध में यदि कोई व्यक्ति अपना मौखिक ६ लिखित बयान देना चाहता है तो वह दिनाक 26.10.2024,28.10.2024,29.10.2024 व 30.10.2024 तक किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरी के समक्ष कार्यालय स्थान तहसील नौगढ़ प्रातः 10.00 बजे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना मौखिक ६ लिखिल बयान अभिलिखित करा सकते हैइस बात की जानकारी उपजिलाधिकारी नौगढ़ ललित कुमार मिश्र द्वारा दिया गया है।

डीएम ने की सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा

डैशबोर्ड से संबंधित समस्त फ्लैगशिप योजनाओं को समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ करें संचालित-डीएम

ब्यूरो ब्यूरो देवरिया
देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में विकास भवन के गांधी सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए जिससे सरकार की प्राथमिकताएं धरातल पर उतर सकें और जनता को अधिकतम लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा के भीतर पूरा करें। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। योजनाओं की प्रगति की निगरानी के लिए एक प्रभावी तंत्र स्थापित किया गया है, जिसके तहत अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। डीएम ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का उद्देश्य जनकल्याण है और इनका सही समय पर क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है। जिलाधिकारी ने कहा कि सितंबर माह में जनपद की रैंकिंग सम्मिलित रूप से 34 वीं थी, इसलिए सभी अधिकारी विशेष ध्यान दें कि किसी अधिकारी की शिथिलता या लापरवाही से जनपद की रैंकिंग प्रभावित नहीं हो। पूरी तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठ होकर काम करने की आवश्यकता है। जिन विभागों का लक्ष्य अक्टूबर में निर्धारित है या जो आवेदन विभागीय पोर्टल पर आवेदकों के लंबित है, उन्हे शीघ्र समयांतर्गत निस्तारित करें। सितंबर माह की रैंकिंग के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग द्वारा सेतुओ के निर्माण में डी तथा नए सड़कों के निर्माण में सी ग्रेड, पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित स्वच्छ भारत मिशन में डी तथा 15 वें वित्त आयोग से जुड़ी योजनाओं में सी, समाज कल्याण विभाग के राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना में सी, पर्यटन विभाग की योजनाओं में बी ग्रेड प्राप्त हुआ था। डीएम ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, कन्या सुमंगला योजना, फेमिली आईडी सहित विभिन्न योजनाओं से संबंधित डाटा को ससमय फीड करने का निर्देश दिया। साथ ही विभिन्न सड़क एवं निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पाण्डेय, मुख्य चिकित्साधिकारी डा राजेश झा, जिला विकास अधिकारी रविशंकर राय, परियोजना निदेशक डीआरडीए अनिल कुमार, डीसी मनरेगा आलोक पाण्डेय, डीईएसटीओ मृत्युंजय कुमार, उप निदेशक कृषि सुभाष मौर्य, एआरटीओ आशुतोष शुक्ला, ईओ संजय तिवारी, डीआईओएस शिवनारायण सिंह सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

महिला सशक्तिकरण को पीएम–सीएम ने चलाया मिशन शक्ति अभियान– मंत्री

चित्रकूट(आरएनएस)। जनपद के प्रभारी मंत्री मनोहर लाल मुन्नू ने शांति देवी इंटर कॉलेज में थाना पहाड़ी के संयोजकत्व में आयोजित मिशन शक्ति अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया।प्रभारी मंत्री ने कहा कि विद्यालय के छात्र, छात्राएं बहुत ही संस्कारिक है। देश के अंदर प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री ने मिशन नारी शक्ति चलाया है। इसमें स्वावलंबन, नारी सुरक्षा, सम्मान की व्यवस्था की गई है। गुंडाराज पूरी तरह से खत्म होने की सीमा पर है। 2017 के पहले जो अराजकता थी वह मुख्यमंत्री के निर्देशन में प्रदेश में समाप्त हुआ है। उन्होंने छात्र, छात्राओं से कहा कि माता, पिता, शिक्षक व भगवान को गुरु माने। जिस तरह पढ़ाई करेंगे उसी प्रकार अच्छी पोस्ट पाएंगे। नारी शक्ति भगवान ने भी माना है। दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती, सती अनुसुइया आदि देवियां भी नारी है। उन्होंने कहा कि कोई छेड़खानी करता है तो माता, पिता व शिक्षक को बताएं। इसके अलावा मिशन शक्ति के अंतर्गत जो हेल्पलाइन नंबर दिए गए हैं उनका प्रयोग करें। समस्या का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही सबसे महत्वपूर्ण है ।मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर ने कहां कि मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को सशक्त कर देश व प्रदेश को आगे बढ़ाना मुख्यमंत्री का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि माता की मृत्यु होती है तो छोटे बच्चों को संभालने में बड़ी समस्याएं होती हैं। नारी का समाज में क्या महत्व है उसका बयान नहीं किया जा सकता। सोशल मीडिया से बचें। पढ़ाई का समय है। अच्छे पद पर जाकर अपने परिवार को खुशहाल करें। क्षेत्राधिकारी राजपुर निष्ठा उपाध्याय ने कहा कि मिशन शक्ति के विभिन्न टोल फ्री नंबर 1076, 1930, 112, 1090 आदि सुरक्षा के लिए अपनाएं। छात्राओं से कहा कि समस्या होने पर चुप न रहे खुलकर सामने आए। बताया कि यह मिशन शक्ति का कार्यक्रम 90 दिवसीय है जो अलग–अलग विभाग के समन्वय से चलाया जा रहा है।
प्रभारी मंत्री ने मिशन शक्ति के अंतर्गत विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाली शांति देवी, आकांक्षा देवी द्वितीय एवं तृतीय स्थान चांदनी देवी को प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व कॉलेज के प्रबंधक सुनील कुमार सिंह ने प्रभारी मंत्री सहित जनप्रतिनिधियों, अफसरों को स्मृति चिन्ह, शाल भेंट कर स्वागत किया। प्रधानाचार्य शिवबरन त्रिपाठी ने आभार जताया। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री आलोक पांडेय, सुरेश अनुरागी, आनंद त्रिपाठी, रवि गुप्ता सहित थानाध्यक्ष रीता सिंह मौजूद रहे।

नवचयनित सात ग्राम पंचायत अधिकारियों को दिए नियुक्ति पत्र

चित्रकूट(आरएनएस)। कलेक्ट्रेट सभागार में निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से पंचायती राज विभाग के नवचयनित सात ग्राम पंचायत अधिकारियों को बतौर मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री ने नियुक्ति पत्र वितरित किया। इस मौके पर एलसीडी के माध्यम से लखनऊ में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया।गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह ने बताया कि यह भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2017–18 में विज्ञप्ति के माध्यम से हुई थी जो अब निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से किया गया है। जनपद में सात ग्राम पंचायत अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया गया है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल, डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता, डीएम शिवशरणप्पा जीएन, एसपी अरुण कुमार सिंह, सीडीओ अमृतपाल कौर, एडीएम उमेश चंद्र निगम, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, डीसी एनआरएलएम ओम प्रकाश मिश्रा, पुलिस क्षेत्राधिकारी राजापुरी निष्ठा उपाध्याय, समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदोरिया, प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा आदि मौजूद रहे।

किसान दिवस में समस्याएं प्रभारी मंत्री नें सुनीं

प्रभारी मंत्री ने जन जागरूकता वाहनों को दिखाई हरी झंडी - कहा कि किसानों की समस्याओं का होगा समाधान

चित्रकूट(आरएनएस)। जनपद के प्रभारी मंत्री मनोहर लाल मुन्नू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसानो के साथ किसान दिवस का आयोजन किया गया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि किसानों की पशु, वन, विद्युत, कृषि, गोवंश, खाद बीज आदि की समस्याओं का निदान संबंधित अधिकारी तत्काल कराएं। कहा कि सरकार ने निजी नलकूपों की विद्युत निःशुल्क कर दिया है। नील गाय तथा बंदरों की समस्या का निस्तारण कराया जाएगा। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने किसानों के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू किया है। किसान खेती को बढ़ावा दें और आय को दोगुनी करें। सरकार की योजनाओं का लाभ लें। सरकार किसानों की फसलों के नुकसान का मुआवजा भी देती है। किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष राम सिंह पटेल ने बैठक में खाद, बीज, विद्युत, पशुओं के बधियाकरण, गोवंशों के संरक्षण, पेड़ों का कटान, नीलगाय, बंदरों के संरक्षण आदि विभिन्न समस्याओं के बारे में अवगत कराया। अंत में डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि किसानों की जो समस्याएं प्राप्त हुई हैं उनका संबंधित विभागों से निस्तारण कराया जाएगा। इसके पूर्व प्रभारी मंत्री ने किसानों को जन जागरूकता करने वाले प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता, एसपी अरुण कुमार सिंह, सीडीओ अमृतपाल कौर, उप निदेशक रानीपुर टाइगर रिजर्व नरेंद्र कुमार सिंह, उप निदेशक कृषि राजकुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा सुभाष चंद्र, अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक अनुराग शर्मा सहित संबंधित अधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा किसान मौजूद रहे।

नवनियुक्त ग्राम पंचायत,ग्राम विकास अधिकारियों को बनते गए नियुक्ति पत्र

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–
उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा पंचायती राज विभाग में नवनियुक्त 1526 ग्राम पंचायत अधिकारी एवं समाज कल्याण विभाग में 360 ग्राम विकास अधिकारी तथा 64 समाज कल्याण पर्यवेक्षकों को नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरण मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ में किया गया जिसका लाइव प्रसारण अम्बेडकर सभागार में सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में देखा गया
नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरण के अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ में नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रमाण–पत्र वितरित किया गया मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रदेश में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता एवं बिना किसी भेद–भाव के साथ किया जा रहा है मिशन रोजगार के अन्तर्गत रोजगार का उपहार युवाओ के साथ वर्तमान सरकार नौजवानों को रोजगार देने का कार्य कर रही है आज प्रदेश में बिना किसी भेदभाव के कार्य हो रहा है मुख्यमंत्री ने नियुक्त हुए अभ्यर्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपसभी लोग अपनी योग्यता, क्षमता के बल पर सफल हुए है दीपावली से पहले आप लोंगों को दीपावली का बड़ा उपहार प्राप्त हो रहा है उ0प्र0 में पहले लोग निवेश करने से डरते थे आज लोग उ0प्र0 में करोड़ों का निवेश कर रहे हैं पंचायती राज विभाग द्वारा 30 प्रकार के कार्यो का संपादन किया जाता है लेकिन ग्राम पंचायतों में कार्य करने के लिए कोई कार्यालयध्भवन नहीं था जिससे लोगों को ब्लाक का चक्कर लगाना पड़ता था प्रदेश सरकार द्वारा सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत भवनध्सचिवालय का निर्माण कराया गया तथा बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी से लैस किया गया, जिससे ग्राम पंचायतों के कार्य को वहीं ग्राम पंचायतों में ही सम्पन्न कराया जा सके ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी एवं पर्यवेक्षक समाज कल्याण की महत्वपूर्ण भूमिका है आप सभी लोग जनता को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने में सहयोग प्रदान करेंगे जो लोग अभी विभिन्न योजनाओं के लाभ से वंचित हैं उनको लाभ दिलाने का कार्य करेंगें सभी ग्राम पंचायतों में साफ–सफाई, कूड़ा निस्तारण, नालों की सफाई, इण्टरलाकिंग सड़क निर्माण आदि का कार्य सुनिश्चित करायेंगे ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण भी पेंशन के लाभार्थियों को लाभ दिलाने का कार्य करें मा0 प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूर्ण कराने का कार्य करें जिससे देशध्प्रदेश नई ऊँचाईयों एवं विकास की तरफ अग्रसर हो आप लोग अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुये लोगों की समस्याओं का समाधान करायें सभी सफल अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री जी ने अपनी शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।
अम्बेडकर सभागार में जनपद में नियुक्त हुए कुल 40 ग्राम पंचायत अधिकारियों में 18 अभ्यर्भियों को मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ में तथा जनपद स्तर पर 22 में से उपस्थित 16 अभ्यर्थियों एवं 01 ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण को सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा नियुक्ति प्रमाण–पत्र दिया गया। सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल द्वारा सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई एवं शुभकामनायें दी उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार के नेतृत्व में सभी भर्तिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं बिना किसी भेदभाव के सम्पन्न हुई है सभी सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति आपकी योग्यता के आधार पर हुई है आप सभी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करें
मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार ने नवनियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों, ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण को संबोधित करते हुये कहा कि आप सभी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करें यह जनपद आकांक्षात्मक जनपद है जिसमें विकास की असीम सम्भावनायें हैं जन्म प्रमाण–पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र समय से निर्गत किया जाये तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों तक पहुंचायें आप सभी जनपद को आगे ले जाने के लिए अपनी भागीदारी भी सुनिश्चित करेंगे सफल अभ्यर्थियों को शुभकानाएं दी इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी दिनेश राय, व अन्य अधिकारीध्कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

सचिव/अपर जिला जज ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

ब्यूरो देवरिया
देवरिया। मा0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार व माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया देवेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में सचिवध्अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी द्वारा जिला कारागार देवरिया का औचक निरीक्षण किया गया। सचिवध् अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी द्वारा जिला कारागार देवरिया में यू0टी0आर0सी कैम्पेन तृतीय फेज हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया के द्वारा बंदियों के सम्बन्ध में किये गये कार्यवाही से उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर अवगत कराया गया। सचिव द्वारा कारागार में स्थापित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण कर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण दिल्ली (नालसा) के द्वारा निर्गत एस0ओ0पी0 के अनुसार कार्य करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। तथा सचिव द्वारा कारागार अधीक्षक को शिकायत पेटिका कारागार में स्थापित लीगल एड क्लीनिक में लगाने हेतु निर्देशित किया गया। सचिवध्अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के द्वारा ऐसे विचाराधीन बंदियों जिनके विरूद्ध अधिकत्तम 07 वर्ष के दण्डादेश संबंधित अपराधिक विचारण लम्बित हैं और वे कारागार में निरूद्ध हैं, से संबंधित मामलों पर भी विचार–विमर्श किया गया तथा जिला कारागार में निरूद्ध बंदियों की समस्याओं को सुना गया जिसमें निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने, जमानतदार उपलब्ध कराने, नियमित रूप से बंदियों के लिए दवा उपलब्ध कराने महिला कैदियों के साथ रह रहें उनके छोटे बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था कराने हेतु निर्देशित किया गया। जेल में निरूद्ध बंदियों की समस्याओं की सुनवाई सुनिश्चित करते उनके द्वारा सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से जिला कारागार अधीक्षक प्रेम सागर शुक्ला, डिप्टी जेलर मोतीलाल वर्मा व जेल वार्डन उपस्थित रहें।

कथा व्यास ने विश्राम दिवस पर मोक्ष की सुनाई कथा

–बताया कि कलिकाल में कामधेनु के समान है भागवत कथा

चित्रकूट(आरएनएस)। भागवत कथा के सप्ताह ज्ञान दिवस पर भागवत कथा प्रवक्ता ने कहा कि जो शेष है वही विशेष है। शुकदेव के अंतिम प्रवचन को सुनने मात्र से संपूर्ण श्रीमद् भागवत श्रवण का परिपूर्ण फल प्राप्त होता है। इसलिए समापन कथा का प्रत्येक क्षण विशेषताओ से भरा है। कलिकाल में यह कथा कामधेनु के समान है। राजा परीक्षित को मोक्ष इसी पुराण संहिता के माध्यम से प्राप्त हुआ। पितरो की परम शांति का उपाय इससे बड़ा कुछ भी नही है। श्रीमद् भागवत के चरण शरण में जो आता है और नियम से कथा श्रवण करता है वह उसी क्षण जीवन मुक्त होकर श्रीकृष्ण के चरण सानिध्य को प्राप्त कर शुद्ध विशुद्ध अंतःकरण में भगवादव्य स्वरूप में आकर तदाकार स्वरूप को प्राप्त कर लेता है।यह विचार राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ के विश्राम दिवस पर भागवतरत्न आचार्य नवलेश दीक्षित ने कही। उन्होंने बताया कि यह सब रानी पटरानी वेद की ऋचाएं हैं जो श्रीकृष्ण सेवा के लिए पत्नी बनकर आए। सुदामा चरित्र की लीला का भावविभोर रसपान कराते हुए कहा कि वे आत्मज्ञानी, ब्रह्म प्राप्त थे। जिन्होंने अपने जीवन में प्राप्त को ही पर्याप्त समझा है। द्वारिकानाथ एवं सुदामा की मित्रता वर्तमान में कहा देखने को मिलती है। राजा परीक्षित मोक्ष की कथा सुनाकर कथा को विश्राम दिया। इस मौके पर मुख्य यजमान विद्या देवी, बृजेश, पुष्पा, योगेन्द्र, प्रमोद, मिथलेश आदि बड़ी तादाद में श्रोतागण मौजूद रहे। आरती के पश्चात प्रसाद वितरित किया गया।

मंजिल नहीं छोटा पड़ाव है संप्रेक्षण गृह

चित्रकूट(आरएनएस)। किशोर संप्रेक्षण गृह में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में जिला विधिक साक्षरता प्राधिकरण सचिव अपर जिला जज नीलू मैनवाल एवं किशोर बोर्ड की प्रधान मजिस्ट्रेट अंजलिका प्रियदर्शिनी ने संवासियों का उत्साहवर्द्धन किया।सामाजिक संस्था आयुष्मान वानप्रस्थ विवि के संयोजकत्व में विश्व अहिंसा दिवस के अवसर पर किशोर संप्रेक्षण गृह में कराई गई प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को गुरुवार को अपर जिला जज व किशोर न्याय बोर्ड की प्रधान मजिस्ट्रेट ने पुरस्कार वितरित किया। अपर जिला जज ने किशोरों का उत्साहवर्धन करते हुवे कहा कि सभी में वह क्षमताएं है जो होना चाहिए। दुर्घटना, परिस्थिति या भाग्य की विडंबना के चलते कुछ समय के लिए यहां है। यह मंजिल नहीं एक छोटा पड़ाव है। अभी बहुत आगे जाना है। अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वाह करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुवे किशोर न्याय बोर्ड की प्रधान मजिस्ट्रेट ने कहा कि सभी के अंदर सकारात्मक और नकारात्मक शक्तियां समान रूप में पाई जाती है। नकारात्मक वृतियों पर अंकुश लगाना और सकारात्मक ऊर्जा को साधने से जीवन सार्थक बन जाता है। दुर्भाग्यवश नकारात्मकता के वशीभूत होकर कभी जाने अनजाने में कुछ भूलचूक हो सकती है लेकिन वह नियति नहीं है। अपने पुरुषार्थ को जगा कर दृढ़ संकल्प के सहारे परिस्थितियों को बदल सकते है। संस्था के निदेशक बलबीर सिंह ने बताया कि पहली बार संप्रेक्षण गृह, कस्तूरबा विद्यालय और जिला कारागार में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। समारोह में शामिल सुषमा सिंह ने किशोरों से कहा कि भविष्य का सकारात्मक मानचित्र अपने हृदय में बनाकर उसके क्रियान्वयन के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें। बेटी बचाओ ,बेटी पढ़ाओ अभियान की संयोजक अनीता सिंह ने कहा कि सोई शक्तियों को पहचाने। इस मौके पर भाभा कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधक मनोज दिवेदी ने आभार जताया। इस दौरान संप्रेक्षण गृह के प्रभारी वीर सिंह, न्याय बोर्ड के सदस्य शिव शंकर त्रिपाठी, अर्चना श्रीवास्तव, विधि और परिवीक्षा अधिकारी अंजना पोरवार, परामर्शदाता दीपक शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन सिंह, शिक्षक राजीव कुमार सिंह, अनिमेष मिश्रा, विधिक सहायक जितेंद्र, गोविंद आदि मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।